हिन्दी

प्राथमिक कक्षाओं में हिन्दी शिक्षण

हरियाणा राज्य में हिन्दी भाषा का शिक्षण मातृभाषा शिक्षण के रूप में किया जाता है। यद्यपि मातृभाषा बिना किसी औपचारिक शिक्षा के बालक के मन–मस्तिष्क में अपनी जड़ें उसके आस–पास के वातावरण के द्वारा ही जमा लेती है, किंतु बोलियों व संस्कृति की विभिन्नता का प्रभाव भी उसमें बना रहता है। प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा की शिक्षा को सम्पूर्ण शिक्षा की धुरी मानते हुए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण माना गया है। अतः प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा (हिन्दी) की शिक्षा पर ध्यान देने से पहले हमें उसके मानक रूप और उसकी बोलियों के पारस्परिक संबंध को भी समझना होगा।

हरियाणा राज्य के विद्यार्थी अपने घरों में जिस बोली का प्रयोग करते हैं, वह हिन्दी का मानक रूप नहीं होता, किंतु वे अपने विद्यालय, रेडियो, टी0वी0 के कार्यक्रमों तथा शिक्षित व्यक्तियों को हिन्दी भाषा के व्यावहारिक मानक रूप का प्रयोग करते हुए सुनते हैं और समझते हैं। अतः हिन्दी शिक्षण का एक प्रमुख उद्देश्य यह है कि विभिन्न बोलियाँ बोलने वाले विद्यार्थी पाँचवीं कक्षा पास करके हिन्दी के मानक रूप को बोलने, लिखने और समझने में समर्थ हो सकें। मानक रूप तक लाने का अभिप्राय स्थानीय बोली की उपेक्षा करना नहीं है बल्कि विद्यार्थियों को समाज के व्यापक समुदाय से जोड़ना है।

हम जानते हैं कि विद्यालय में आने से पूर्व बच्चे अनौपचारिक रूप से अपने परिवेश के माध्यम से बोल–चाल की भाषा सीख लेते हैं। विद्यालय में प्रदान की जाने वाली शिक्षा अनौपचारिक विधियों के माध्यम से उसी भाषा का परिष्कार एवं संवर्धन करती है और विद्यार्थी धीरे–धीरे अपनी मातृभाषा के मानक और प्रतिष्ठित रूप तक पहुँचने का प्रयास करते हैं। इस प्रयास में शिक्षक की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है। जब बालक विद्यालय में प्रवेश करता है तो उसका मानसिक धरातल सपाट या कोरा कागज नहीं होता। उसे अपने परिवेश से शब्द भण्डार मिला होता है, परिवार और परिवेश में प्रचलित भाषा का ज्ञान होता है जो निखरता है भाषा के शिक्षण से। शब्द तीन प्रकार के होते हैं–मित्र, परिचित और अतिथि। भाषा शिक्षण के द्वारा अतिथि शब्दों को परिचित और परिचित को मित्र की कोटि में लाना होता है। निरन्तर संगति से अजनबी व्यक्ति को जिस प्रकार घनिष्ठ मित्रता का आवरण मिल जाता है उसी प्रकार आवृत्ति के द्वारा परिचित और अजनबी शब्द बच्चों के लिए निकट और निकटतर होते रहते हैं। शिक्षक की ओर से केवल धैर्य, प्रयास और उत्साह बच्चों को मिलना चाहिए।

स्कूली शिक्षा पूरी होने तक विद्यार्थी का भाषाबोध और साहित्यबोध इस सीमा तक विकसित हो जाए कि उसमें किसी रचना के बारे में स्वतंत्र राय बनाने का आत्मविश्वास हो। वह पाठ्‌य–पुस्तकों की परिधि के

बाहर भी किसी रचना से जुड़कर उस पर भावनात्मक और बौद्धिक प्रतिक्रिया कर सके। वह तरह–तरह के विषय क्षेत्रों में प्रयुक्त होने वाली भाषा के रूपों से परिचित हो सके और उसका प्रयोग कर सके। वह संदर्भ और आवश्यकता के अनुसार विभिन्न किस्म की शैलियों से परिचित हो सके। विद्यार्थियों को भाषा की ताकत का अहसास हो। वह इस बात को समझे कि भाषा के माध्यम से हम केवल संप्रेषण ही नहीं करते बल्कि जो हम सोचते हैं और महसूस करते हैं, उसे सुन्दर, प्रभावशाली व्यंजनात्मक और पैने ढंग से अभिव्यक्त करने के लिए भी भाषा एक सशक्त साधन है। विद्यार्थी हिन्दी की बारीकी और सुन्दरता को परख सकें, उसे यह ज्ञान हो कि हिन्दी के माध्यम से यथार्थ और काल्पनिक दुनिया की रचना की जा सकती है। भाषा के माध्यम से विद्यार्थी का कार्य क्षेत्र इतना विस्तृत हो कि वह राष्ट्रीय समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की परिधि में आने वाले व्यक्ति, परिवेश और समाज से जुड़े मुद्दों की सामान्य जानकारी रख सके।

मातृभाषा शिक्षण एक समेकित प्रक्रिया

किसी भी भाषा के सीखने के लिए चार कौशल अनिवार्य है : सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना। भाषा सीखने की प्रक्रिया में चारों क्रियाएँ साथ–साथ चलती हैं। जब विद्यार्थी सुनता है तो वह मन ही मन कुछ सोच रहा होता है और सोच के फलस्वरूप होने वाली प्रतिक्रिया को बोल कर प्रकट करता है। इस बात को आधार बनाते हुए विद्यार्थी को पढ़ना और लिखना सिखाया जाता है। पढ़ने और लिखने के कौषल का अभ्यास हो जाने पर वह विद्यार्थी की भाषा का सहज अंग बन जाता है। आगे चलकर इन कौशलों का स्तरानुसार अभ्यास करते हुए दक्षता प्राप्त होती है। भाषा प्रयोग की दृष्टि से हम इन कौशलों को निम्न तीन भागों में बाँट सकते हैंः–

1. यांत्रिक कुशलताएँ
2. अर्धयांत्रिक कुशलताएँ (मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति)
3. चिंतन और सृजन संबंधी कुशलताएँ

यांत्रिक कुशलताएँ

हिन्दी भाषा में प्रायः हम जैसे बोलते हैं वैसा ही लिखते हैं, इसलिए लिपि चिह्नों को पहचान कर सही उच्चारण करना, तदनुरूप सही लेखन और वर्तनी की शुद्धता, यांत्रिक कुशलताओं में आता है। व्याकरण के नियमों के अनुरूप भाषा की संरचना भी इसी का एक भाग है। प्राथमिक कक्षाओं में इन कुशलताओं का अभ्यास करना चाहिए ताकि वे विद्यार्थी के भाषा व्यवहार का स्वाभाविक अंग बन जाएँ।

अर्धयांत्रिक कुशलताएँ

दैनिक जीवन में बोलते और लिखते समय हम व्याकरण के नियमों की ओर विशेष ध्यान नहीं देते बल्कि सुनी और पढ़ी बात का अर्थ ग्रहण करते हैं, सोचते हैं तथा सोचने के अनुरूप लिखते हैं। लिखने की कुशलता हमारे जीवन का सहज अंग बन जाती है। अतः अर्धयांत्रिक कुशलताओं से अभिप्राय है :– मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति की सहजता व प्रभाव।

प्राथमिक स्तर पर अर्धयांत्रिक कुशलताओं से अभिप्राय है कि बच्चे पढ़कर आसानी से समझ सकें और बोलकर व लिखकर अपने भाव व्यक्त कर सकें।

चिंतन और सृजन संबंधी योग्यताएँ

इन्हें कुशलताएँ न कहकर योग्यताएँ इसलिए कहा गया है क्योंकि इनका संबंध मानसिक और भावात्मक पक्ष से है। भाषा में एक ही शब्द के अनेक अर्थ तथा एक ही अर्थ के लिए अनेक विकल्पों का प्रयोग किया जा सकता है। यही भाषा की शक्ति होती है। हमारे विद्यालयों में प्रश्नों के निश्चित उत्तर लिखवा कर या सही/गलत के प्रश्न देकर विद्यार्थियों को सोचने–विचारने या कल्पना करने की शक्ति का अवसर ही नहीं दिया जाता, बल्कि चिन्तन व सृजन संबंधी योग्यता के विकास के लिए भाषा शिक्षण में प्रारम्भ से ही अपनी बात को अपनी तरह से कहने और लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उसकी ये योग्यताएँ जितनी विकसित होंगी उतनी ही उसमें चीजों को अपने ढंग से देखने और सोचने की क्षमता विकसित होगी।

मौखिक भाषा का महत्त्व

भाषा का मूल रूप उसका मौखिक रूप है। कक्षा में वार्तालाप के दौरान भाषा का मौखिक रूप ही प्रभाव डालता है, लेकिन व्यक्तिगत तथा सामाजिक महत्त्व के पक्ष की मातृभाषा शिक्षण में सर्वथा उपेक्षा होती रही है। इसके दो प्रमुख कारण हैं :–

पहला यह है कि अध्यापक यह मान लेते हैं, कि बच्चा बोलना तो पहले ही सीख जाता है। वह भूल जाता है कि बच्चा जो जानता है उसमें भाषा की व्यावहारिक मानकता का पक्ष शून्य भी हो सकता है जो कि भाषा को बोली का रूप देता है। अतः अध्यापक का कर्त्तव्य बन जाता है कि वह बालक को शनैः–शनैः बोली से भाषायी स्वरूप की ओर सहज ढंग से ले आए।

दूसरे हमारी परीक्षा प्रणाली में लिखित रूप ही मूल्यांकन का आधार माना गया है। इस कारण भाषा के मौखिक रूप पर ध्यान नहीं दिया जाता। यहाँ तक की शुद्ध उच्चारण सिखाना भाषा शिक्षक अपना कर्त्तव्य नहीं मानता। मातृभाषा शिक्षण में इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

कक्षा 1 व 2

बच्चा अपने माता–पिता एवं अन्य परिजनों से सुनकर अनायास ही मातृभाशा के अनेक षब्द अनुकरण द्वारा सीख लेता है और उससे उसका सहज संबंध स्थापित हो जाता है। भाशा सोचने, महसूस करने और चीजों से जुड़ने का एक उत्तम साधन है। भाशा ही बच्चे को समझदार, विचारवान, सभ्य और षिक्षित बनाती है। विद्यालय बच्चों के लिए ऐसा स्थान है जो उनके घर के वातावरण से भिन्न है। विद्यालय के अपने नियम हैं। बच्चे कुछ घंटों के लिए अपने परिवार से दूर हो जाते हैं परंतु अपने साथ बहुत कुछ लेकर विद्यालय आते हैं जैसे आस–पास की वस्तुओं, पशु–पक्षियों व परिवार के सदस्यों की जानकारी तथा अपनी मातृभाषा के कुछ शब्दों की जानकारी आदि।

लिपिबद्ध चिह्न और उन से जुड़ी ध्वनियाँ बच्चों के लिए अमूर्त है। इसलिए पढ़ने का प्रारम्भ अर्थ से ही हो और किसी उद्‌देश्य के लिए हो। बच्चों को ऐसा वातावरण मिलना जरूरी है जहाँ वे बिना किसी रोक–टोक के अपनी उत्सुकता के अनुसार अपने परिवेश की खोजबीन कर सकें।

यही अवधारणा बच्चों के भाषिक कौशलों पर भी लागू होती है। स्कूल में आने पर बच्चे प्रायः स्वयं को बेझिझक अभिव्यक्त करने में असमर्थ पाते हैं, क्योंकि जिस भाषा में वे सहज रूप से अपनी राय, अनुभव, भावनाएँ आदि व्यक्त करना चाहते हैं, वह स्कूल में प्रायः स्वीकृत नहीं होती। कक्षा में बच्चे अलग–अलग भाषायी, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं। कक्षा में इनकी भाषाओं का स्वागत किया जाना चाहिए। शिक्षक बहुभाषिकता की महत्ता को समझ कर कक्षा में उसका उपयोग करें तभी वह बच्चों को अपने परिवेश में स्थित सांस्कृतिक और भाषिक विविधता के प्रति संवेदनशील बना सकता है। आज बहुभाषिकता को बच्चे के व्यक्तित्व विकास के लिए संसाधन के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है।

सुनने की योग्यताएँ

1. कविता, कहानी, बातचीत सुनकर आनन्दित होना।
2. आदेश, निर्देश, अनुरोध आदि ध्यानपूर्वक सुनकर उनकी पालना करना।
3. रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारित बाल कार्यक्रमों को सुनकर आनन्द लेना।
4. वक्ता के मनोभावों को सुनकर समझना (क्रोध, प्रेम, आश्चर्य, व्यंग्य, हर्ष आदि)
5. सभी ध्वनियों को सुनकर उनकी पहचान करना।
6. मातृभाषा की ध्वनियों को सुनकर विभेदीकरण करना जैसे त–क, व–ब, स–श, ड–ड़ आदि।
7. ज्ञान में वृद्धि करना तथा मनोरंजन करना।
8. श्रोता के शिष्टाचार का पालन करना।

बोलने की योग्यताएँ

1. अपने साथियों तथा अध्यापकों से बातचीत करना।
2. बिना अटके बात कहना।
3. चित्र देखकर बातचीत करना।
4. सरल वाक्यों को सही–सही दोहराना।
5. अपने परिवेश में देखी घटनाओं व स्थानों का वर्णन करना।
6. क्या, कौन, कब और कहाँ वाले प्रश्नों के उत्तर देना और प्रश्न पूछना।
7. समूह–गान, कविताओं तथा बाल गीतों को बाल–सुलभ हावभाव के साथ बोलना।
8. सरल वाक्यों को प्रवाह के साथ बोलना।
9. अपनी बात को आत्मविश्वास के साथ कहना।
10. बाल कविताओं व छोटी कहानियों को सुनाना।
11. हिन्दी की सभी ध्वनियों (स्वर, व्यंजन तथा संयुक्त व्यंजन) का शुद्ध उच्चारण करना।
12. परिचित शब्दों का शुद्ध (मानक) उच्चारण करना।
13. वक्ता के शिष्टाचार का पालन करना।
14. वार्तालाप या संवादों में प्रश्न, आश्चर्य, क्रोध आदि भावों को व्यक्त करना।
15. नवीन शब्दों का बातचीत में प्रयोग करना।
16. किसी चित्र को देखकर उससे संबंधित पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देना।

पढ़ने की योग्यताएँ

1. देवनागरी लिपि–चिह्नों (स्वरों, व्यंजनों, मात्राओं की पहचान करना) विसर्ग, अनुस्वार की मात्रा, संयुक्त व्यंजनों की पहचान करके पढ़ना।
2. सरल और परिचित शब्दों और वाक्यों का शुद्ध रूप से वाचन करना।
3. ब्लैकबोर्ड, चार्ट तथा फ्लैश कार्ड पर लिखे मोटे वर्णों को तथा दो या तीन वर्णों से बने शब्दों को पढ़ना।
4. चित्र पठन करना।
5. लिपि– चिह्नों के योग से बनने वाले परिचित शब्दों और सरल वाक्यों का शुद्ध रूप से मुखर वाचन करना।

6. बाल–कविताओं, गीतों व कहानियों को प्रवाह के साथ पढ़ना।
7. सरल वाक्यों को पढ़कर उनका अर्थ समझना।
8. मुखर वाचन करते हुए पूर्णविराम, प्रश्नवाचक एवं अर्धविराम आदि चिह्नों का सही ढंग से प्रयोग करना।
9. बाल साहित्य को अर्थ ग्रहण करते हुए पढ़ना।
10. अक्षर जोड़कर पढ़ने की बजाय समझ कर पढ़ने की आदत का विकास करना।
11. पढ़ने की प्रक्रिया को दैनिक जीवन की जरूरतों से जोड़ना जैसे कक्षा व स्कूल में अपना व अपने सहपाठियों के नाम आदि पढ़ने की योग्यता का विकास करना।

लिखने की योग्यताएँ

1. लेखन सामग्री (तख्ती, कलम, दवात) का प्रयोग ठीक प्रकार से करना।
2. उचित अवस्था में बैठकर सही ढंग से लिखना।
3. आँख और हाथ की गति में समन्वय स्थापित करना।
4. सरल शब्दों और वाक्यों का अनुलेख लिखना।
5. अक्षरों को सही बनावट के साथ लिखना।
6. लिखते समय कलम, पेन्सिल आदि को सही दिशा में चलाते हुए शुद्ध और सुडौल रूप से लिखना।
7. अक्षरों और शब्दों के बीच उचित दूरी रखते हुए सुलेख लिखना।
8. सुलेख लिखते समय पूर्णविराम, अर्धविराम तथा प्रश्नवाचक चिह्नों का सही प्रयोग करना।
9. लिखते समय हिन्दी के व्यावहारिक मानक रूप का प्रयोग करना।

सूझ–बूझ एवं सोचने संबंधी योग्यताएँ

1. अपनी जिज्ञासा की पूर्ति हेतु प्रश्न पूछना।
2. दिए गए तथ्यों में अपनी कल्पना को जोड़कर कुछ अनुमान लगाना।
3. पढ़ी हुई और सुनी हुई सामग्री में से प्रासंगिक बात को याद रखना।
4. दो स्थूल वस्तुओं, चित्रों, घटनाओं आदि की तुलना करना।
5. सुनी और पढ़ी हुई बात में कार्य एवं कारण का संबंध जोड़ना।
6. पढ़ने और सुनने में जो नए शब्द आए हों उनका अभिप्राय जानने का प्रयास करना।

सुनना एवं बोलना संबंधी क्रियाकलाप

1. छात्रों के साथ उनके परिवार और परिवेश आदि पर आधारित बातचीत करना।
2. चित्रों का मौखिक वर्णन करना।
3. विद्यार्थियों को सरल निर्देश देकर उनका पालन करवाना।
4. कविता, कहानी, बालगीत, हावभाव के साथ सुनना व सुनाना।
5. कहानी सुनाकर उन पर आधारित सरल प्रश्न पूछना।
6. वर्णों के शुद्ध उच्चारण सुनने व सुनाने के लिए प्रोत्साहित करना (विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा)।
7. विभिन्न ध्वनियों को सुनकर संबंधित कार्डों का चयन करना।
8. व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से कविता, बालगीत आदि सुनाना।
9. बालगीत, कहानी, कविता आदि सुनाकर उनसे संबंधित प्रश्न पूछना व चर्चा करना। इस क्रियाकलाप में बच्चों की सहभागिता को सुनिश्चित करना।
10. विभिन्न संवादों द्वारा बच्चों को अभिनय हेतु प्रोत्साहित करना।

पढ़ने सम्बन्धी क्रियाकलाप

1. खेल विधि से वर्णों की पहचान करवाना।
2. विभिन्न वर्णों को मिलाकर अनेक सरल व परिचित शब्दों एवं शब्दों से सरल वाक्यों का निर्माण करवाना।
3. शिक्षक द्वारा आदर्श वाचन प्रस्तुत करके छात्रों से कहानी, कविता का प्रवाहपूर्ण ढंग से वाचन करवाना।
4. पढ़ते समय सभी छात्रों को वाचन के समान अवसर प्रदान करना।
5. पठित सामग्री पर आधारित सरल प्रश्न पूछना।

लेखन सम्बन्धी क्रियाकलाप

1. विभिन्न वर्णों की आकृतियाँ बनाना। सिखाते समय मिलती–जुलती आकृतियों को अलग–अलग सिखाना।
2. अक्षरों और शब्दों को लिखते समय उचित दूरी का ध्यान रखने पर बल देना।
3. सरल और परिचित शब्दों और वाक्यों का अनुलेख करवाना।

4. वर्णों की सुडौल बनावट पर ध्यान देना।
5. सरल और परिचित शब्दों और वाक्यों का श्रुतलेख करवाना।
6. चित्र दिखाकर बच्चों से कहानी लिखने के लिए कहना।
7. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए उपयुक्त शिक्षण सामग्री का प्रयोग करना।

पाठ्य सामग्री एवं विषय वस्तु

कक्षा 1 तथा 2 की पाठ्य पुस्तकों में जिन पाठों का समावेश किया जाए उनकी पाठ्य सामग्री में निम्नलिखित विषय वस्तु को स्थान दिया जाए।

1. विद्यार्थी के परिवेश से संबंधित वस्तु व घटना।
2. पशु–पक्षी।
3. पास–पड़ोस।
4. घर–परिवार।
5. खेल–कूद।
6. बालक–बालिका समानता।
7. जीवन–मूल्यों पर आधारित कहानियाँ।
8. बाल कविताएँ एवं जीवन–मूल्यों पर आधारित बाल–गीत।
9. व्यक्तिगत सफाई।
10. पाठशाला।
11. मेले और त्योहार।
12. डाकिया, माली आदि विभिन्न व्यवसायों से जुड़े लोगों की जानकारी।
13. नगर–देहात का परिवेश

पाठ्य पुस्तक :– पहली व दूसरी कक्षा में एक–एक पाठ्य पुस्तक निर्धारित की जाएगी और इन पाठ्य पुस्तकों में ही पर्याप्त अभ्यास कार्य शामिल होंगे। पाठ्य पुस्तक में सभी चित्र रंगीन हों।

मूल्यांकन :– मूल्यांकन का उद्देश्य बच्चों की सीखने की क्षमता का आकलन करना और सीखने की कठिनाइयों तथा समस्याओं को पहचानना है। विद्यार्थी विशेष की समस्या को पहचान कर उसके अनुसार शिक्षण विधि में सुधार, मूल्यांकन का महत्त्वपूर्ण अंग है। मूल्यांकन की प्रक्रिया सतत होनी चाहिए। शिक्षक द्वारा वर्श भर अप्रत्यक्ष रूप से बच्चों का आकलन किया जाना चाहिए। दूसरी और बच्चों के सीखे हुए ज्ञान

व उनके स्तर को मापने हेतु मासिक टैस्ट, अर्द्धवार्शिक व वार्शिक परीक्षाओं के माध्यम से उनका औपचारिक मूल्यांकन किया जाए। इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि मूल्यांकन निष्पक्ष, न्यायपूर्ण और दायित्वपूर्ण हो। बच्चों की मौलिकता, कल्पनाशीलता, सृजनशीलता के आकलन के पर्याप्त अवसर हों।

कक्षा में शिक्षक इस बात का प्रयास करें कि प्रत्येक गतिविधि में बच्चे की सहभागिता हो। जाँच की प्रक्रिया का प्रारम्भ एक सतर्क अवलोकन के माध्यम से किया जाना चाहिए जिससे यह पता चल सके कि वे कितना जानते हैं ? और क्या कुछ उन्हें जानने की आवश्यकता है। शिक्षक उनकी प्रत्येक गतिविधि का निरीक्षण करें। केवल सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने का ही नहीं।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का मूल्यांकन उनकी क्षमता और सीमाओं को ध्यान में रखकर किया जाए।

पाठ्यक्रम संरचना (2024–25)

कक्षा – 1

विषय– हिन्दी

पाठ्यपुस्तक – झिलमिल–1

क्रम संख्या	पाठ का नाम	विधा
इकाई–1 मेरा परिचय	• मेरा परिचय • मेरा घर, मेरा परिवार	स्वपरिचय
इकाई–2 मस्ती की पाठशाला	• मस्ती की पाठशाला • रेला का खेल • सवेरा	कविता कविता कविता
इकाई–3 चित्रपठन	• स्वच्छ रहें, स्वस्थ रहें।	चित्रपठन
इकाई–4 परिवेश की जानकारी	• मेरा गाँव • मेरा शहर • रसीले फल • अक्कड़ बक्कड़ • हरी–भरी सब्जियाँ • झूमों गाओ • आओ रंग भरें • मिलान का खेल • जानवरों का खेल • रंग–बिरंगें पक्षी • आओ खेलें • हमारे पालतू पशु • यातायात के साधन • दादा जी और बंदर • झूमों गाओं	चित्रपठन चित्रपठन चित्रपठन कविता चित्रपठन कविता चित्रपठन चित्रपठन कविता चित्रपठन कविता चित्रपठन चित्रपठन चित्रकथा कविता
आपने कितना सीखाः– • प्रश्नोत्तर • अलग–थलग/बेमेल पर गोला लगाएँ		
इकाई–5 लिखने की तैयारी	• मेरा पन्ना • बिंदु मिलाएँ और रंग भरें	चित्रपठन चित्रपठन चित्रपठन

	• मोर की कलगी • झूमों–गाओं	कविता
इकाई–6 वर्णों की पहचान	• पहचानें और मिलाएँ (अ, ऊ, म, ब,) • पहचानें और मिलाएँ (उ, ग, ल, ट) • पहचानें और मिलाएँ (ह, व, ठ, ज) • पहचानें और मिलाएँ (ष, श, झ, ज्ञ, ढ) • पहचानें और मिलाएँ (क्ष, त्र, ह, द, ण) • पहचानें और मिलाएँ (ढ, छ, त, ड) • पहचानें और मिलाएँ (च, य, र, क) • गरम–गरम रोटी • झूमों गाओ • पहचानें और मिलाएँ (भ, फ, ख, स) • पहचानें और मिलाएँ (घ, ड़, प, थ) • पहचानें, मिलाएँ और बोलें • आओ कलश सजाएँ • झूमों गाओ • वर्णमाला	कविता एवं चित्रपठन कविता एवं चित्रपठन कविता एवं चित्रपठन कविता एवं चित्रपठन कविता एवं चित्रपठन कविता एवं चित्रपठन कविता एवं चित्रपठन कविता कविता कविता एवं चित्रपठन कविता एवं चित्रपठन चित्रपठन चित्रपठन कविता पठन
इकाई–7 वर्णों का मेल	• पढ़ें और बताएँ ,नए शब्द बनाएँ • दो वर्णों का मेल • तीन वर्णों का मेल • झूमों गाओ और रंग भरो • स्वरमाला	पठन गतिविधि पठन गतिविधि पठन गतिविधि कविता कविता
आपने कितना सीखा – • चित्र पहचानकर वर्ण बताना • वर्ण मिलाकर लिखें।		
इकाई–8 मात्रा ज्ञान	• आ की मात्रा (ा) • इ की मात्रा (ि) • ई की मात्रा (ी) • उ की मात्रा (ु) • ऊ की मात्रा (ू) • ऋ की मात्रा (ृ)	कविता कविता कविता कविता कविता कविता

	• ए की मात्रा (े) • ऐ की मात्रा (ै) • ओ की मात्रा (ो) • औ की मात्रा (ौ) • अनुस्वर एवं अनुनासिक (ं , ँ) • विसर्ग (:) • झूमो गाओ • चित्र देखकर शब्द बनाएँ • सही स्थान पर पहुँचाएँ	कविता कविता कविता कविता कविता कविता कविता कविता कविता कविता चित्रपठन लेखन
इकाई–9 आओ पढ़ें कहानी	• खरगोश, बंदर और हाथी।	कहानी
इकाई–10 ढूँढें और लिखें	• करते है ये क्या–क्या काम, बतलाओं, तुम इनका नाम। • रंगों के नाम • बूझो तो जानें • मेरा लट्टू • भालू की रेल	कविता चित्रपठन कविता कविता कविता
आपने कितना सीखा :– • चित्र को पहचानकर मात्रा लगाएं • सही शब्द पर (√) का निशान लगाएँ • चित्र देखकर नाम लिखें। • दशहरे का मेला (प्रश्नोत्तर बातचीत)		

Academic Session 2024-25

कक्षा – 1

विषय – हिन्दी   पुस्तक का नाम–झिलमिल–1

मास	विषयवस्तु	अधिगम उपलब्धि **कोड**	अधिगम उपलब्धियाँ
अप्रैल, 2024	मेरा परिचय	HIN 101 HIN 102	विद्यार्थी सरल निर्देश/ अभिवादन/ शिष्टाचार/ परिचय से सम्बन्धित शब्दों/ वाक्यों को सुनकर समझ सकते हैं और उसके अनुसार काम कर सकते हैं। विद्यार्थी 4–6 पंक्तियों की कविता/बालगीत को सुनकर लय के साथ दोहरा सकते हैं।
मई, 2024	मस्ती की पाठशाला	HIN 101 HIN 102	विद्यार्थी सरल निर्देश/ अभिवादन/ शिष्टाचार/ परिचय से सम्बन्धित शब्दों/ वाक्यों को सुनकर समझ सकते हैं और उसके अनुसार काम कर सकते हैं। विद्यार्थी 4–6 पंक्तियों की कविता/बालगीत को सुनकर लय के साथ दोहरा सकते हैं।
जून, 2024	**Summer Vacation from 1st June 2024 to 30th June, 2024**		
जुलाई, 2024	चित्र पठन	HIN 105 HIN 106	विद्यार्थी अपने परिवेश में उपलब्ध परिचित चीज़ों के नाम हिन्दी में बता सकते हैं। विद्यार्थी चित्र को देखकर उसके बारे में 3–4 वाक्य बोल सकते हैं। (घर की भाषा में)
1st Student Assessment Test in the last week of July			
अगस्त, 2024	परिवेश की जानकारी	HIN 104 HIN 105	विद्यार्थी अपने बारे में और अपने आस–पास के परिवेश की चीजों के बारे में 3–4 वाक्य बोल सकते हैं और उसके बारे में, सरल प्रश्नों के जबाव दे सकते हैं। (घर की भाषा में) विद्यार्थी अपने परिवेश में उपलब्ध परिचित चीज़ों के नाम हिन्दी में बता सकते हैं।
	लिखने की तैयारी	HIN 111 HIN 112	विद्यार्थी बिन्दुओं को मिलाकर चित्र बना सकते हैं एवं आड़ी तिरछी रेखाओं को ठीक से बना सकते हैं। विद्यार्थी अपना एवं अपने दोस्तों का नाम लिख सकते हैं तथा सुनी गई कहानी/कविता, घटना, पात्र के चित्र तथा परिवेश की चीज़ों के चित्र बनाकर उनमें रंग भर सकते हैं और देखकर उनके नाम लिख सकते हैं।

सितम्बर, 2024	वर्णों की पहचान	HIN 108 HIN 110 HIN 113	विद्यार्थी वर्ण एवं मात्रा सहित वर्णों की ध्वनि एवं आकृति/ चिह्न को पहचान कर बता सकते हैं। (सभी वर्ण और छह मात्रायें– ा , ि, ी, ु ू, े) विद्यार्थी चार–पाँच वाक्यों वाली सरल कहानी/पाठ को पढ़कर समझ सकते हैं। (सीखे गए वर्ण/मात्राओं से बनने वाले) विद्यार्थी बिना मात्रा एवं मात्रा सहित वर्ण तथा दो/ तीन/ चार अक्षरों वाले शब्द लिख सकते हैं। (सीखे गए वर्ण/मात्राओं से बनने वाले)
Half yearly exam in the Last week of September			
अक्तूबर ,2024	वर्णों का मेल	HIN 107 HIN 109 HIN 113	विद्यार्थी परिचित लिखे हुए शब्दों को पढ़ कर बता सकते हैं। (लोगोग्राफिक पठन) विद्यार्थी दो/तीन/चार अक्षर वाले सरल शब्दों को एवं चार–पाँच शब्दों वाले एक/दो सरल वाक्यों को पढ़कर समझ सकते हैं। (सीखे गए वर्ण/मात्राओं से बनने वाले) विद्यार्थी बिना मात्रा एवं मात्रा सहित वर्ण तथा दो/ तीन/ चार अक्षरों वाले शब्द लिख सकते हैं। (सीखे गए वर्ण/मात्राओं से बनने वाले)
नवम्बर, 2024	मात्रा ज्ञान (आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ)	HIN 108 HIN 109 HIN 110	विद्यार्थी वर्ण एवं मात्रा सहित वर्णों की ध्वनि एवं आकृति/ चिह्न को पहचान कर बता सकते हैं। (सभी वर्ण और छह मात्रायें– ा , ि, ी, ु ू, े) विद्यार्थी दो/तीन/चार अक्षर वाले सरल शब्दों को एवं चार–पाँच शब्दों वाले एक/दो सरल वाक्यों को पढ़कर समझ सकते हैं। (सीखे गए वर्ण/मात्राओं से बनने वाले) विद्यार्थी चार–पाँच वाक्यों वाली सरल कहानी/पाठ को पढ़कर समझ सकते हैं। (सीखे गए वर्ण/मात्राओं से बनने वाले)
दिसम्बर ,2024	मात्रा ज्ञान (ए, ऐ, ओ, औ, अनुस्वार व अनुनासिक)	HIN 108 HIN 109 HIN 110	विद्यार्थी वर्ण एवं मात्रा सहित वर्णों की ध्वनि एवं आकृति/ चिह्न को पहचान कर बता सकते हैं। (सभी वर्ण और छह मात्रायें– ा , ि, ी, ु ू, े) विद्यार्थी दो/तीन/चार अक्षर वाले सरल शब्दों को एवं चार–पाँच शब्दों वाले एक/दो सरल वाक्यों को पढ़कर समझ सकते हैं। (सीखे गए वर्ण/मात्राओं से बनने वाले)

			विद्यार्थी चार–पाँच वाक्यों वाली सरल कहानी/पाठ को पढ़कर समझ सकते हैं। (सीखे गए वर्ण/मात्राओं से बनने वाले)
2nd Student Assessment Test in the last week of December			
Winter Vacation from 1st January to 15th January 2025			
जनवरी, 2025	आओ पढ़ें कहानी	HIN 103 HIN 112	विद्यार्थी 5–6 पंक्तियों की छोटी कहानी को सुनकर समझ सकते हैं और उसे अपने शब्दों में बता सकते हैं तथा उस पर आधारित सरल प्रश्नों के जबाव दे सकते हैं। (घर की भाषा में) विद्यार्थी अपना एवं अपने दोस्तों का नाम लिख सकते हैं तथा सुनी गई कहानी/कविता, घटना, पात्र के चित्र तथा परिवेश की चीज़ों के चित्र बनाकर उनमें रंग भर सकते हैं और देखकर उनके नाम लिख सकते हैं।
फरवरी, 2025	ढूँढ़ें और लिखें	HIN 114	विद्यार्थी चार–पाँच शब्दों वाले एक/दो सरल वाक्य लिख सकते हैं। (सीखे गए वर्ण/मात्राओं से बनने वाले)
मार्च,2025	पुनरावृत्ति		
Annual Assessment in the 3rd & 4th Week of March			

पाठ्यक्रम संरचना (2024–25)
कक्षा – 2
विषय– हिन्दी
पाठ्यपुस्तक – झिलमिल–2

क्रम संख्या	पाठ का नाम	विधा
1.	मेरा परिचय कोयल • कबूतर (कुछ और पढ़ें)	कविता कविता
2.	चतुर चूहा • झूमों गाओं	कहानी कविता
3.	घड़े की बात • आओ सीखें (योग मुद्राएँ)	कहानी योग
4.	तितली	कविता
5.	संगति का फल • खेल गीत (कुछ और पढ़ें)	कहानी कविता
आपने कितना सीखाः– • प्रश्नोंत्तर • सही शब्द का चुनाव। • खाली स्थान भरें। • पढ़ें, समझें और लिखें।		
6.	बूझों तो जानें	पहेलियाँ
7.	मित्र सदा पेड़ों को मानें	कविता
8.	भाई को पत्र • मेरी बहना (कुछ और पढ़ें)	पत्र कविता
9.	भोलू की भूल	कहानी
10.	खुद को जानें • हँसी के गुलगुलें (कुछ और पढ़ें)	कविता
आपने कितना सीखा :– • सही शब्द छाँटकर लिखें। • सही अर्थ पर गोला लगाएँ। • वाक्यांशों के लिए एक शब्द। • खाली स्थान भरें। • सही कथन के सामने (√) व गलत के सामने (×) का निशान लगाएँ।		

● विलोम शब्द		
11.	स्वच्छता पसंद बापू	प्रेरक प्रसंग
12.	आसमान गीरा ● बंदर का कलेजा (कुछ और पढ़ें)	कहानी चित्र कथा
13.	रंग–बिंरगी होली	कविता
आपने कितना सीखा :– ● सही शब्दों का चुनाव ● शब्दों के सही अर्थ पर (√) का निशान लगाएँ। ● प्रश्नोंत्तर ● खाली स्थान भरें। ● वाक्यांशों के लिए एक शब्द। ● पंक्ति पूरी करें। ● वाक्य लेखन।		

कक्षा –2

विषय – हिन्दी पुस्तक का नाम–झिलमिल–2

मास	विषयवस्तु	अधिगम उपलब्धि **कोड**	अधिगम उपलब्धियाँ
अप्रैल, 2024	कोयल	HIN 201 HIN 208 HIN 210 HIN 214	विद्यार्थी 5–7 पंक्तियों की कविता/ बालगीत/ पहेलियों को सुनकर लय के साथ दोहरा सकते हैं और स्वयं भी कविता सुना सकते हैं। विद्यार्थी कक्षा 2 में सिखाई गई मात्राओं से बने परिचित शब्दों ;दो/तीन/चार अक्षरोंद्ध को उचित गति एवं शुद्धता के साथ पढ़ सकते हैं। विद्यार्थी नई सीखी हुई मात्राओं को विभिन्न वर्णों के साथ (जैसे– मैं , को, पौ आदि) लगाकर लिख सकते हैं। विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में शब्दार्थ,लिंग, वचन, मिलते–जुलते लेकिन भिन्नार्थक शब्द (घाट, घटा, घट), विलोम शब्द की पहचान कर सकते हैं। (मौखिक रूप से)
मई, 2024	चतुर–चूहा	HIN 202 HIN 207 HIN 213 HIN 214	विद्यार्थी 7–8 पंक्तियों की छोटी कहानी को सुनकर समझ सकते हैं और उसे घर की भाषा एवं हिन्दी में अपने शब्दों में बता सकते हैं। विद्यार्थी कक्षा 1 में बची हुई मात्राओं (ै , ो , ौ) एवं संयुक्ताक्षरों को पहचान कर बता सकते हैं। विद्यार्थी संरचनाबद्ध लेखन गतिविधि के तौर पर पढ़ी हुई कहानी/ पाठ/ कविता पर आधारित प्रश्नों के जबाव दे सकते हैं। (1–2 वाक्यों में)– जैसे गाँव का नाम क्या था? बिल्ली चूहे के पीछे क्यों भागी? विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में शब्दार्थ,लिंग, वचन, मिलते–जुलते लेकिन भिन्नार्थक शब्द (घाट, घटा, घट), विलोम शब्द की पहचान कर सकते हैं। (मौखिक रूप से)
जून, 2024	**Summer Vacation from 1st June 2024 to 30th June, 2024**		

जुलाई, 2024	घड़े की बात	HIN 203 HIN 204 HIN 214	विद्यार्थी सुनी गई कहानी–कविता, चित्र, परिवेश आधारित सरल प्रश्नों के जवाब घर की भाषा व् हिन्दी में दे सकते हैं। (तथ्यात्मक प्रश्न, निष्कर्षात्मक/तर्क वाले प्रश्न एवं कल्पना आधारित प्रश्न आदि)। विद्यार्थी घर की भाषा और हिन्दी भाषा में अपने बारे में और अपने आस–पास की चीजों अथवा परिचित चित्रों के बारे में 5–7 वाक्य बोल सकते हैं। विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में शब्दार्थ,लिंग, वचन, मिलते–जुलते लेकिन भिन्नार्थक शब्द (घाट, घटा, घट), विलोम शब्द की पहचान कर सकते हैं। (मौखिक रूप से)
1st Student Assessment Test in the last week of July			
अगस्त, 2024	तितली	HIN 201 HIN 214	विद्यार्थी 5–7 पंक्तियों की कविता/ बालगीत/ पहेलियों को सुनकर लय के साथ दोहरा सकते हैं और स्वयं भी कविता सुना सकते हैं। विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में शब्दार्थ,लिंग, वचन, मिलते–जुलते लेकिन भिन्नार्थक शब्द (घाट, घटा, घट), विलोम शब्द की पहचान कर सकते हैं। (मौखिक रूप से)
	संगति का फल	HIN 206 HIN 214	विद्यार्थी चित्रों के माध्यम से किसी कहानी को घर की भाषा अथवा हिन्दी में हाव–भाव एवं शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए सुना सकते हैं। विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में शब्दार्थ,लिंग, वचन, मिलते–जुलते लेकिन भिन्नार्थक शब्द (घाट, घटा, घट), विलोम शब्द की पहचान कर सकते हैं। (मौखिक रूप से)
सितम्बर, 2024	बूझो तो जानें	HIN 205 HIN 214	विद्यार्थी स्कूल एवं परिवेश में उपलब्ध परिचित एवं अपरिचित चीजों के नाम हिन्दी में बता सकते हैं। विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में शब्दार्थ,लिंग, वचन, मिलते–जुलते लेकिन भिन्नार्थक शब्द (घाट, घटा, घट), विलोम

			शब्द की पहचान कर सकते हैं। (मौखिक रूप से)
Half Yearly exam in the last week of September			
अक्तूबर ,2024	मित्र सदा पेड़ों को मानें	HIN 211 HIN 212 HIN 214	विद्यार्थी दो/ तीन/ चार अक्षरों वाले कठिन शब्द एवं संयुक्ताक्षर वाले शब्द लिख सकते हैं। विद्यार्थी सुनी/ देखी/ पढ़ी कहानी/ कविता एवं किसी चित्र/ संदर्भ से सम्बन्धित बातों के बारे में अपने शब्दों में पाँच–सात वाक्य लिख सकते हैं। विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में शब्दार्थ,लिंग, वचन, मिलते–जुलते लेकिन भिन्नार्थक शब्द (घाट, घटा, घट), विलोम शब्द की पहचान कर सकते हैं। (मौखिक रूप से)
नवम्बर, 2024	भाई को पत्र	HIN 204 HIN 211 HIN 214	विद्यार्थी घर की भाषा और हिन्दी भाषा में अपने बारे में और अपने आस–पास की चीजों अथवा परिचित चित्रों के बारे में 5–7 वाक्य बोल सकते हैं। विद्यार्थी दो/ तीन/ चार अक्षरों वाले कठिन शब्द एवं संयुक्ताक्षर वाले शब्द लिख सकते हैं। विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में शब्दार्थ,लिंग, वचन, मिलते–जुलते लेकिन भिन्नार्थक शब्द (घाट, घटा, घट), विलोम शब्द की पहचान कर सकते हैं। (मौखिक रूप से)
	भोलू की भूल	HIN 202 HIN 212 HIN 214	विद्यार्थी 7–8 पंक्तियों की छोटी कहानी को सुनकर समझ सकते हैं और उसे घर की भाषा एवं हिन्दी में अपने शब्दों में बता सकते हैं। विद्यार्थी सुनी/ देखी/ पढ़ी कहानी/ कविता एवं किसी चित्र/ संदर्भ से सम्बन्धित बातों के बारे में अपने शब्दों में पाँच–सात वाक्य लिख सकते हैं। विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में शब्दार्थ,लिंग, वचन, मिलते–जुलते लेकिन भिन्नार्थक शब्द (घाट, घटा, घट), विलोम शब्द की पहचान कर सकते हैं। (मौखिक रूप से)

दिसम्बर ,2024	खुद को जानें	HIN 209 HIN 214	विद्यार्थी एक पेज की (10–12 वाक्यों की)/ दो/ तीन पेज की कहानी/कविता/पाठ को उपयुक्त उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं प्रवाह के साथ पढ़कर समझ सकते हैं। विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में शब्दार्थ,लिंग, वचन, मिलते–जुलते लेकिन भिन्नार्थक शब्द (घाट, घटा, घट), विलोम शब्द की पहचान कर सकते हैं। (मौखिक रूप से)
	स्वच्छता पसंद बापू	HIN 203 HIN 204 HIN 214	विद्यार्थी सुनी गई कहानी–कविता, चित्र, परिवेश आधारित सरल प्रश्नों के जवाब घर की भाषा व् हिन्दी में दे सकते हैं। (तथ्यात्मक प्रश्न, निष्कर्षात्मक/तर्क वाले प्रश्न एवं कल्पना आधारित प्रश्न आदि)। विद्यार्थी घर की भाषा और हिन्दी भाषा में अपने बारे में और अपने आस–पास की चीजों अथवा परिचित चित्रों के बारे में 5–7 वाक्य बोल सकते हैं। विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में शब्दार्थ,लिंग, वचन, मिलते–जुलते लेकिन भिन्नार्थक शब्द (घाट, घटा, घट), विलोम शब्द की पहचान कर सकते हैं। (मौखिक रूप से)
2nd Student Assessment Test in the last week of December			
Winter Vacation from 1st January to 15th January 2025			
जनवरी, 2025	आसमान गिरा	HIN 206 HIN 214	विद्यार्थी चित्रों के माध्यम से किसी कहानी को घर की भाषा अथवा हिन्दी में हाव–भाव एवं शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए सुना सकते हैं। विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में शब्दार्थ,लिंग, वचन, मिलते–जुलते लेकिन भिन्नार्थक शब्द (घाट, घटा, घट), विलोम शब्द की पहचान कर सकते हैं। (मौखिक रूप से)

फरवरी, 2025	रंग –बिरंगी होली	HIN 203 HIN 212 HIN 214	विद्यार्थी सुनी गई कहानी–कविता, चित्र, परिवेश आधारित सरल प्रश्नों के जवाब घर की भाषा व् हिन्दी में दे सकते हैं। (तथ्यात्मक प्रश्न, निष्कर्षात्मक/तर्क वाले प्रश्न एवं कल्पना आधारित प्रश्न आदि)। विद्यार्थी सुनी/ देखी/ पढ़ी कहानी/ कविता एवं किसी चित्र/ संदर्भ से सम्बन्धित बातों के बारे में अपने शब्दों में पाँच–सात वाक्य लिख सकते हैं। विद्यार्थी सुनी गई कहानी/कविता आदि में शब्दार्थ,लिंग, वचन, मिलते–जुलते लेकिन भिन्नार्थक शब्द (घाट, घटा, घट), विलोम शब्द की पहचान कर सकते हैं। (मौखिक रूप से)
मार्च,2025	पुनरावृत्ति		

Annual Assessment in the 3rd & 4th Week of March

कक्षा 3 से 5

तीसरी कक्षा तक आते–आते बच्चे विद्यालय से परिचित हो जाते हैं और वहाँ के वातावरण में घुलमिल जाते हैं। स्कूल का वातावरण और दूसरे बच्चों का साथ उन्हें स्थानीय, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक विविधताओं से परिचित कराता है। मातृभाषा के अतिरिक्त वे अन्य भाषाओं के प्रति संवेदनशील भी हो जाते हैं।

इस स्तर पर बच्चों की भाषा से जुड़े कौशलों की प्रकृति में गुणात्मक बदलाव आएगा। उनमें स्वतंत्र रूप से पढ़ने की आदत विकसित होगी। पढ़ी हुई सामग्री से वे संज्ञानात्मक व भावनात्मक स्तर पर जुड़ेंगे और उसके बारे में स्वतंत्र और मौलिक विचार व्यक्त कर सकेंगे। यहाँ तक आते–आते लिखना एक प्रक्रिया के रूप में प्रारम्भ हो जाएगा और वे अपने विचारों को व्यवस्थित रूप में लिखने लगेंगे। पाँचवीं कक्षा उत्तीर्ण करने पर बालकों में निम्नलिखित योग्यताएँ विकसित हो जाने की अपेक्षा की जाती है।

सुनने की योग्यताएँ

- हिन्दी भाषा की सभी ध्वनियों को सुनकर उनके अंतर को समझना जैसे :–
  क्ष – छ – च्छ, ड – ढ, र – ढ, द्‌य – ध्य आदि।
- कविताएँ, कहानियाँ, चुटकले, पहेलियाँ, विवरण, संक्षिप्त वार्तालाप एवं रेडियो और टेलीविजन के बाल कार्यक्रम आदि सुनकर समझना और उनका आनन्द उठाना।
- किसी बात को शिष्टाचार सहित ध्यानपूर्वक सुनना।
- वक्ता के मनोभावों जैसे–हर्ष, आश्चर्य, घृणा, करुणा व्यंग्य आदि को समझना।
- विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को सुनकर आवश्यक जानकारी को याद रखना।
- वार्तालाप, संवाद और विचार–विमर्श को सुनकर समझना।
- सुनी हुई बात के संबंध में प्रश्न करना।
- दूसरों के विचारों को सुनकर समझना व अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करना।

बोलने की योग्यताएँ

- सरल एवं परिचित कविताओं का उचित हाव–भाव से वाचन करना।
- परिचित वस्तुओं और स्थानों का प्रभावपूर्ण ढंग से वर्णन करना।
- हिन्दी भाषा की सभी ध्वनियों (संयुक्त अक्षर, संयुक्त व्यंजन) तथा परिचित व – अपरिचित शब्दों का शुद्ध उच्चारण करना।
- विचारों को क्रमबद्ध रूप से व्यक्त करना।
- वार्तालाप, लघु भाषण आदि में भाग लेना। तीसरी कक्षा में कहानियाँ सुनाना,

- पहेलियाँ बूझना, कुछ मिनट का भाषण देने आदि का अभ्यास कराना।
- नवीन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करना।
- वक्ता के शिष्टाचार का पालन करना।
- अपनी बात को धैर्य व आत्मविश्वास के साथ कहना।
- उच्चारण को हिन्दी के मानक रूप की ओर लाना।
- वार्तालाप, नाटक, लघु भाषण आदि में भाग लेकर प्रभावपूर्ण ढंग से अभिव्यक्ति देना।
- किसी विषय पर संदर्भ के अनुसार बोलना।

पढ़ने की योग्यताएँ

- लिपि चिह्नों को जोड़कर नए शब्दों को पढ़ना।
- बच्चों द्वारा अक्षर जोड़कर पढ़ने की बजाय समझकर पढ़ने की आदत का विकास करना।
- पठन के द्वारा ज्ञानार्जन एवं आनन्द प्राप्त करने के योग्य बनाना।
- पठित वस्तु के मुख्य विचार और केन्द्रीय भाव को पहचानना।
- पाठ्य पुस्तक एवं बाल पत्रिकाएँ पढ़ना।
- दूसरों के द्वारा लिखित सामग्री को आसानी से पढ़ना।
- मुखरवाचन करते समय पूर्णविराम, अल्पविराम एवम् प्रश्नवाचक चिह्नों के अनुसार पढ़ना।
- पठन सामग्री, पत्र, चार्ट, पोस्टर आदि को सहज ढंग से पढ़ना।
- पुस्तकालय में जाकर पढ़ने की आदत डालना।
- गद्य खण्डों और कविताओं को उचित आरोह, अवरोह, बलाघात एवं प्रवाह के साथ पढ़ना।
- मौन पठन द्वारा पाठ्य वस्तु का अर्थग्रहण करना।
- बाल शब्द कोश का प्रयोग करना।
- कविता, कहानी, संवाद, नाटक, पत्र, निबंध, यात्रा वर्णन आदि विधाओं से परिचित होना।
- बाल साहित्य, पत्रिकाओं का रसास्वादन करना।

लिखने की योग्यताएँ

- हिन्दी के सभी लिपि चिह्नों, स्वरों, व्यंजनों तथा सभी मात्राओं को शुद्ध रूप में लिखना।
- हिन्दी के सभी परिचित शब्दों तथा वाक्यों को अनुलेख व श्रुतलेख द्वारा शुद्ध रूप से लिखना।

- लिखने की यांत्रिक कुशलताओं का सही–सही प्रयोग करना।
- परिचित व अपरिचित शब्दों तथा वाक्यों को शुद्ध रूप से लिखना।
- लिखते समय विराम चिह्नों (पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक) का प्रयोग करना।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्र सरल भाषा में लिखना।
- लिखावट का सुपाठ्य एवं सुडौल होना।
- अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप से लिखकर प्रकट करना।
- व्याकरण सम्मत भाषा का प्रयोग करना।
- सरल विषयों पर अनुच्छेद एवं छोटे–छोटे निबंध लिखना।
- मुख्य अध्यापक को लिखे जाने वाले प्रार्थना पत्र व पारिवारिक पत्र लिखना।
- दैनिक जीवन की घटनाओं और अपने अनुभवों को लिखना।
- अभ्यास के लिए दिए गए प्रश्नों के अतिरिक्त प्रश्न बना कर लिखना।
- चित्रों को देखकर अपने षब्दों में कहानी लिखना।
- भाषा संबंधी खेल खेलना (पहेली, शब्द पहेली)

शिक्षण युक्तियाँ

- शुद्ध वर्तनी हेतु श्रुतलेख लिखवाना।
- उच्चारण के अभ्यास हेतु भाषण व वार्तालाप करवाना।
- हिन्दी वर्णमाला में सूक्ष्म अंतर वाली ध्वनियों के विभेदीकरण के लिए शब्द कार्ड, अर्थ संकेत आदि के प्रयोग द्वारा अलग–अलग ध्वनियों के शुद्ध उच्चारण को सुनने व बोलने का प्रशिक्षण देना।
- प्रार्थना सभा या बाल सभा आदि कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।
- उचित गति एवं प्रवाह के साथ पढ़ने पर बल देना।
- श्यामपट्ट पर प्रश्नों को लिखकर उनके उत्तर ढूँढ़ने के लिए कहना।
- पठन की गति को बढ़ाने के लिए मौन वाचन करवाना व चित्र या मॉडल बनाकर उनका वर्णन संक्षेप में पूछना।
- हस्तलिखित सामग्री को पढ़वाना।
- सुलेख प्रतियोगिता करवाना।
- देखी हुई वस्तु का सरल शब्दों में वर्णन लिखवाना।
- सरल विषयों पर निश्चित रूपरेखा देकर निबंध लिखवाना।

– अनौपचारिक पत्र लेखन करवाना।
– वर्ग पहेली भरवाना।
– चित्र दिखाकर उस पर आधारित तुकबन्दी या कहानी लिखवाना।
– अधूरी कहानी को पूरा करवाना।
– विभिन्न प्रकार की सामग्री सुनाकर उन पर आधारित कैसे, क्यों वाले प्रश्न पूछना तथा सभी विद्यार्थियों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करना।
– देखी हुई घटना का विवरण अपने साथियों के सामने प्रस्तुत करना।
– चित्र, चार्ट, मानचित्र, विज्ञापन पत्रों एवं सूचना पट्‌ट दिखाते हुए विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछना।
– किसी घटना का विवरण लिखकर प्रस्तुत करवाना।

पाठ्य सामग्री कक्षा 3 से 5

प्रत्येक कक्षा के लिए एक–एक पाठ्य पुस्तक निर्धारित की जाएगी। इन पाठ्य पुस्तकों में पर्याप्त अभ्यास कार्य शामिल होगा। पुस्तकों की विषय सामग्री उद्‌देश्यों (अपेक्षित योग्यताओं) और शैक्षिक क्रियाकलापों पर आधारित होगी। कक्षा 3, 4 व 5 के बच्चों को अतिरिक्त पठन के लिए भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

अध्यापक संदर्शिका :–

प्राथमिक स्तर के लिए अध्यापकों को संबोधित करते हुए एक अध्यापक संदर्शिका का निर्माण भी किया जा सकता है। जिसमें कक्षा में उचित वातावरण निर्माण, विभिन्न भाषायी परिवेश से आए बच्चों से सहज संबंध विभिन्न भाषायी कौशलों का विकास, पाठ्य सामग्री के उचित उपयोग, विशेष आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों के लिए शिक्षण युक्तियाँ एवं दृश्य–श्रव्य सामग्री के उचित उपयोग एवं मूल्यांकन आदि पर चर्चा होगी। बच्चों को ध्यान में रखकर आवश्यक दृश्य–श्रव्य सामग्री का निर्माण किया जा सकता है। पाठ्य सामग्री के अंतर्गत रचनाओं के चयन में रोचक व बच्चों के परिवेश से जुड़ी हुई सामग्री को प्राथमिकता दी जाएगी। पर्यावरण संबंधी ज्ञान, शान्ति और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करने वाली सामग्री को भी स्थान दिया जाए।

प्रत्येक कक्षा के लिए एक–एक अभ्यास पुस्तिका भी लगाए जाने का सुझाव है। अभ्यास पुस्तिका के माध्यम से वर्तनी सुधार व सरल रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा व्याकरण अभ्यास कराया जाए। अभ्यास पुस्तिका में दी जाने वाली सामग्री विद्यार्थियों के परिवेष से जुड़ी हो तथा रोचकता से पूर्ण हो।

व्याकरण एवं रचना

बच्चों की भाषा में इस बात के पर्याप्त संकेत मिलते हैं कि वे अपनी भाषा का व्याकरण अच्छी तरह जानते हैं, पर व्याकरण की सही समझ बनाने के लिए आवश्यक है कि बच्चों को व्याकरण के विभिन्न पक्षों की पहचान विविध पाठों के संदर्भ में और आसपास के परिवेश से जोड़कर कराई जाए।

पाठ्यक्रम में कक्षानुसार व्याकरण के कुछ बिंदु दिए गए हैं। इन बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्य–पुस्तक निर्माता और शिक्षक पाठ में सहज रूप से उभरकर आने वाले व्याकरण संबंधी और भाषा की बारीकी व सुन्दरता संबंधी अन्य पक्षों को क्रमशः समझने और सराहने में छात्र–छात्राओं की सहायता करें।

प्राथमिक स्तर पर व्याकरण का ज्ञान सैद्धांतिक रूप से न कराकर व्यावहारिक रूप से कराया जाना उचित होगा। व्याकरण संबंधी विषय के पाठ्यक्रम को निश्चित करने का यह अभिप्राय नहीं होता कि अगली कक्षाओं में उसका ज्ञान होना आवश्यक नहीं बल्कि उस ज्ञान के प्रयोग में उत्तरोत्तर कुशलता करना अपेक्षित

होगा। इन कुशलताओं का प्रदर्शन मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति द्वारा रचना शिक्षण के रूप में सामने आएगा। अतः शिक्षक को ध्यान रखना होगा कि अर्जित भाषायी कौशलों का प्रयोग अगली कक्षाओं में उत्तरोत्तर विकास के रूप में परिलक्षित हो।

कक्षावार विषय वस्तु एवं व्याकरण

कक्षा–3

तीसरी कक्षा की पाठ्य पुस्तक, अभ्यास पुस्तिका तथा व्याकरण कार्य में निम्नलिखित विषय सम्मिलित किए जाएँ :–

- दर्शनीय स्थल।
- अन्य राज्यों के बच्चों का जीवन।
- ऐतिहासिक घटनाएँ।
- वीर पुरुष/महापुरुष/महान नारी।
- देश प्रेम।
- वीरता।
- सर्व धर्म सद्भाव शिक्षा।
- जीवन मूल्य।
- खेलकूद।
- त्योहार व मेले।
- यात्रा/भ्रमण।
- मनुष्य के काम आने वाले पशु–पक्षी।
- पत्र/डायरी।
- राष्ट्र के प्रतीक (चिह्न)।
- पर्यावरण।
- शांति।
- साहित्य।
- संस्कृति एवं कलां (हरियाणा के संदर्भ में)।

व्याकरण

- संज्ञा शब्दों की पहचान वाक्य के माध्यम से करवाना।
- लिंग एवं वचन का वाक्य के माध्यम से ज्ञान देना।
- युग्म शब्दों का प्रयोग कराना।
- पूर्णविराम, अर्द्धविराम, प्रश्नवाचक की पहचान व प्रयोग।
- मुख्याध्यापक को लिखे जाने वाले प्रार्थना–पत्र।
- निबंध – आसपास की ऐसी वस्तुएँ अथवा पशु–पक्षी जिनको बच्चा प्रत्यक्ष रूप से देखता है।

विषय वस्तु एवं व्याकरण

कक्षा–4

चौथी कक्षा की पाठ्य पुस्तक, अभ्यास पुस्तिका तथा व्याकरण कार्य में निम्नलिखित विषय सम्मिलित किए जाएँ :–

- दूसरे देश के बच्चों का जीवन।
- देश के अन्य भागों के मेले व त्योहार।
- वैज्ञानिक उपलब्धियाँ।
- मानव अधिकार से संबंधित सामग्री।
- मूल्य परक जीवन हेतु सामग्री।
- स्वस्थ एवं उत्पादक जीवन पर आधारित सामग्री।
- प्राचीन व नवीन कवियों की कविताएँ।
- उद्देश्यपूर्ण कहानियाँ।
- स्त्री–पुरुष समानता।
- राष्ट्र प्रेम एवं राष्ट्र सम्मान बढ़ाने में सहायक सामग्री।
- खेल–कूद, राष्ट्र ध्वज।
- जीवन मूल्यों पर आधारित कहानियाँ व कविताएँ।
- कर्त्तव्य पालन से संबंधित सामग्री।
- परिवेश से संबंधित सामग्री
- शुद्ध भाषा बोलने व लिखने का ज्ञान देना।
- पूर्व अर्जित व्याकरण ज्ञान के व्यावहारिक प्रयोग का उत्तरोत्तर विकास।

- उपसर्ग व प्रत्यय के योग से शब्दों में आए परिवर्तन को समझना।
- सर्वनाम व उनका प्रयोग करना।
- वाक्य में कर्ता, कर्म, क्रिया पहचानना।
- वर्तमान काल, भूतकाल व भविष्यकाल को पहचानना।
- साधारण व संयुक्त वाक्य में अंतर समझना।
- योजक शब्दों का प्रयोग जानना।
- समरूपी व भिन्नार्थक शब्दों की जानकारी।
- आश्चर्य बोधक चिह्नों की पहचान व उनका प्रयोग।
- मुहावरों के अर्थ और वाक्य में प्रयोग को समझना।
- शब्दों में की गई संधि के व्यावहारिक रूप को समझना।
- पारिवारिक पत्र

निबंध – ऐसी वस्तुएँ अथवा स्थान जिनका बच्चों के द्वारा दैनिक जीवन में प्रयोग किया जाता है। परिवार अथवा आस–पड़ोस के लोग जिनके संपर्क में वह आता है।

विषय वस्तु एवं व्याकरण

कक्षा–5

पाँचवीं कक्षा की पाठ्य पुस्तक, अभ्यास पुस्तिका तथा व्याकरण कार्य में निम्नलिखित से संबंधित विषय वस्तु को सम्मिलित किया जाए :–

- दर्शनीय स्थल/ऐतिहासिक इमारतें।
- देश के अन्य भागों के मेले एवं त्योहार।
- ऐतिहासिक घटनाएँ।
- वैज्ञानिक उपलब्धियाँ।
- सर्वधर्म सद्भाव पर आधारित सामग्री।
- मूल्य परक जीवन हेतु सामग्री।
- महापुरुषों की जीवनी/आत्मकथा।
- खेलकूद का महत्त्व।
- राष्ट्र प्रेम व राष्ट्र सम्मान बढ़ाने में सहायक सामग्री।
- महापुरुषों के जीवन से संबंधित प्रेरक प्रसंग।
- जीवन मूल्यों पर आधारित कहानियाँ एवं कविताएँ।

– कर्त्तव्यपालन संबंधित सामग्री, परिवेश संबंधित सामग्री।

व्याकरण

– पूर्व अर्जित व्याकरण ज्ञान के व्यावहारिक प्रयोग का उत्तरोत्तर विकास।

– लिंग व वचन का प्रयोग।

– विशेषण व क्रिया की पहचान।

– विशेषण की तुलना।

– सरल व संयुक्त वाक्य की रचना का व्यावहारिक ज्ञान।

– अव्यय की पहचान।

– समानार्थक, विलोम शब्द व वाक्यांश के लिए एक शब्द का ज्ञान।

निबंध लेखन – खेल, त्योहार, आँखों देखे किसी दृश्य, घटना व मेले आदि का वर्णन

पत्र – विभिन्न अवसरों पर मित्र/सखी को पत्र।

मूल्यांकन :

कक्षा तीसरी से पाँचवीं में औपचारिक व अनौपचारिक दोनों ही प्रकार का मूल्यांकन किया जाए। सत्र में कई बार लिखित व मौखिक परीक्षाएँ ली जाएँ। सत्र के दौरान बच्चों के सीखे हुए ज्ञान व उनके स्तर को मापने हेतु मासिक टैस्ट, अर्द्धवार्शिक व वार्शिक परीक्षाओं के माध्यम से उनका औपचारिक मूल्यांकन किया जाए।

मूल्यांकन करते समय शिक्षक द्वारा बच्चों की प्रगति की तुलना किसी पूर्व कल्पित मापदण्ड से न की जाए। उनकी प्रगति का लगातार और सूक्ष्म आकलन किया जाए। प्रत्येक बच्चे का रिकॉर्ड रखा जाना चाहिए जिसमें शिक्षक को हर सप्ताह या पखवाड़े में प्रत्येक बच्चे की प्रगति के बारे में टिप्पणी लिखनी चाहिए। शिक्षक को बच्चों की विभिन्न गतिविधियों पर ध्यान रखते हुए उसकी प्रगति की जाँच करनी चाहिए जैसे कक्षा में परिचर्चा में भाग लेते हुए, छोटे समूह में काम करते हुए, कापियों में या दूसरी जगह पर लिखित कार्य करते हुए आदि।

प्राथमिक कक्षाओं में भाषा ज्ञान की उपलब्धि बच्चों की न केवल भाषा विशेष में प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है वरन् अन्य विषयों के अध्ययन को भी सार्थक रूप से प्रभावित करती है। मूल्यांकन करते समय निदानात्मक पक्ष पर विशेष ध्यान देना जरूरी होगा और उसके अनुसार उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था उपयुक्त समय पर की जानी चाहिए।

पाठ्यक्रम संरचना (2024–25)

कक्षा – 3

विषय– हिन्दी

पाठ्यपुस्तक – झिलमिल–3

<table>
<tr><th>क्रम संख्या</th><th>पाठ का नाम</th><th>विधा</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>देश की माटी</td><td>कविता</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>साझे की खेती</td><td>लोककथा</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>इठलाती बूँद</td><td>निबंध</td></tr>
<tr><td>4.</td><td>मीठे बोल</td><td>कविता</td></tr>
<tr><td colspan="3">आपने कितना सीखाः–
• शब्दों के सही अर्थ पर (√) का निशान लगाएँ।
• मिलान करें।
• तुकबंदी कर शब्द बनाएँ।
• प्रश्नोंत्तर
• प्रत्यय
• वाक्य बनाएँ।</td></tr>
<tr><td>5.</td><td>दिव्या की चिट्ठी</td><td>पत्र</td></tr>
<tr><td>6.</td><td>चींटी और मक्खी
• चींटी और हाथी (कुछ और पढ़ें)</td><td>कविता
कहानी</td></tr>
<tr><td>7.</td><td>मेरी गुजरात यात्रा</td><td>डायरी</td></tr>
<tr><td colspan="3">आपने कितना सीखाः–
• शब्दों के सही अर्थ लिखें।
• प्रश्नोंत्तर
• वाक्य निर्माण
• समानार्थी शब्द
• पढ़ें और लिखें।</td></tr>
<tr><td>8.</td><td>भाईचारा
• ये बात समझ में आई नहीं। (कुछ और पढ़ें)</td><td>कहानी
कविता</td></tr>
<tr><td>9.</td><td>चाँद का कुरता</td><td>कविता</td></tr>
<tr><td>10.</td><td>कर्म की जीत
• शेर और मच्छर की मुठभेड़ (कुछ और पढ़ें)</td><td>कहानी, गीता
कहानी</td></tr>
<tr><td>11.</td><td>पहेलियाँ</td><td>पहेलियाँ</td></tr>
</table>

आपने कितना सीखा :– • सही शब्द छाँटकर लिखें। • शब्दों पर चन्द्र बिन्दु लगाएँ। • विराम चिन्ह् लगाएँ। • संबंधित जानवर/पक्षियों के बच्चों के नाम। • पढ़ें समझें और लिखें। • उलट–पलट वर्णों को सही करके शब्द बनाएँ। • सही क्रम में लगाकर वाक्य बनाएँ।		
12.	हरियाली तीज • सावन आया (कुछ और पढ़ें)	निबंध कविता
13.	चुहिया का विवाह	कहानी
14.	यह मेरा हरियाणा	कविता
आपने कितना सीखा :– • शब्दों के सही अर्थ पर (√) का निशान लगाएँ। • सही वाक्य पर (√) का निशान व गलत वाक्य पर (×) का निशान लगाएँ। • पर्यायवाची शब्द • खाली स्थान भरों। • प्रश्नोंत्तर • पढ़ें, समझें और लिखें।		

<u>कक्षा – 3</u>

विषय – हिन्दी

पुस्तक का नाम–झिलमिल–3

मास	विषयवस्तु	अधिगम उपलब्धि **कोड**	अधिगम उपलब्धियाँ
अप्रैल, 2024	देश की माटी	HIN 302 HIN 312 HIN 313 HIN 314	विद्यार्थी कहानी/ कविता/ सुनी गई बात के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं, प्रतिक्रिया दे सकते हैं और अपनी कल्पना तथा नई शब्दावली का प्रयोग करते हुए उसे आगे बढ़ा सकते है। विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन का संदर्भ में प्रयोग को समझ सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–जुलते शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, देशज शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द के प्रयोग को समझ सकते हैं तथा इनका प्रयोग कर सकते हैं। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक एवं योजक– इन विराम चिह्नों को पहचान सकते हैं और इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं। मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं।
मई, 2024	साझे की खेती	HIN 301 HIN 312 HIN 313 HIN 314	विद्यार्थी एक से अधिक घटनाक्रम एवं पात्रों वाली कहानी सुनकर प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं और उसे अपने शब्दों में बता सकते हैं। विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन का संदर्भ में प्रयोग को समझ सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–जुलते शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, देशज शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द के प्रयोग को समझ

			सकते हैं तथा इनका प्रयोग कर सकते हैं। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक एवं योजक– इन विराम चिह्नों को पहचान सकते हैं और इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं। मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं।
	इठलाती बूँद	HIN 310 HIN 312 HIN 313 HIN 314	विद्यार्थी पढ़ी हुई कहानी/पाठ/कविता पर आधारित प्रश्नों के जवाब 2–3 वाक्यों में दे सकते है।(तथ्यात्मक, क्यों एवं कल्पना वाले प्रश्न) विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन का संदर्भ में प्रयोग को समझ सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–जुलते शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, देशज शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द के प्रयोग को समझ सकते हैं तथा इनका प्रयोग कर सकते हैं। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक एवं योजक– इन विराम चिह्नों को पहचान सकते हैं और इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं। मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं।
जून, 2024	**Summer Vacation from 1st June 2024 to 30th June, 2024**		
जुलाई, 2024	मीठे बोल	HIN 302 HIN 307 HIN 312 HIN 313	विद्यार्थी कहानी/ कविता/ सुनी गई बात के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं, प्रतिक्रिया दे सकते हैं और अपनी कल्पना तथा नई शब्दावली का प्रयोग करते हुए उसे आगे बढ़ा सकते है। विद्यार्थी एक/ दो पेज की (18–20 वाक्यों) / तीन/ चार पेज की कहानी/ पाठ/ कविता को उपयुक्त उतार–चढ़ाव शुद्धता एवं प्रवाह के साथ पढ़कर समझ सकते है।

		HIN 314	विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन का संदर्भ में प्रयोग को समझ सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–जुलते शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, देशज शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द के प्रयोग को समझ सकते हैं तथा इनका प्रयोग कर सकते हैं। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक एवं योजक– इन विराम चिह्नों को पहचान सकते हैं और इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं। मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं।
1stStudent Assessment Test in the last week of July			
अगस्त, 2024	दिव्या की चिट्ठी	HIN 306 HIN 308 HIN 312 HIN 314	विद्यार्थी अपरिचित शब्दों, जिनमें संयुक्ताक्षरों से बने व् बहु–अक्षरीय शब्द भी शामिल हैं, को शुद्धता के साथ पढ़ सकते है। विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की सरल पाठ्य सामग्री (अखबार, चिट्ठी/पत्र होर्डिग्स, सूचना, सूचना पट्ट, निर्देश) को पते हैं और उस पर आधारित प्रश्नों के जवाब मौखिक दे सकते हैं। विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन का संदर्भ में प्रयोग को समझ सकते हैं। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक एवं योजक– इन विराम चिह्नों को पहचान सकते हैं और इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं। मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं।

	चींटी और मक्खी	HIN 302 HIN 307 HIN 313	विद्यार्थी कहानी/ कविता/ सुनी गई बात के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं, प्रतिक्रिया दे सकते है ं और अपनी कल्पना तथा नई शब्दावली का प्रयोग करते हुए उसे आगे बढ़ा सकते है। विद्यार्थी एक/ दो पेज की (18–20 वाक्यों) / तीन/ चार पेज की कहानी/ पाठ/ कविता को उपयुक्त उतार–चढ़ाव शुद्धता एवं प्रवाह के साथ पढ़कर समझ सकते है। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–जुलते शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, देशज शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द के प्रयोग को समझ सकते हैं तथा इनका प्रयोग कर सकते हैं।
सितम्बर, 2024	मेरी गुजरात यात्रा	HIN 304 HIN 309 HIN 313	विद्यार्थी अपने आस–पास होने वाली घटना/ अपने स्वयं के अनुभवों को हिन्दी में 8–10 वाक्यों में बता सकते हैं। विद्यार्थी स्वेच्छा से अथवा शिक्षक के द्वारा दिए गए विषय/किसी चित्र पर 5–7 वाक्य लिख सकते है ं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–जुलते शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, देशज शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द के प्रयोग को समझ सकते हैं तथा इनका प्रयोग कर सकते हैं।
Half yearly in the last week of September			
अक्तूबर ,2024	भाईचारा	HIN 303 HIN 305	विद्यार्थी कहानी को परिस्थिति, पात्रों, घटनाओं के सही क्रम व् सही अंत के साथ पुनः सुना सकते हैं। विद्यार्थी अधिक परिष्कृत व जटिल शब्दावली और वाक्य संरचना का इस्तेमाल करते हुए चित्रों पर आधारित किसी कहानी को सुना सकते है।
	चाँद का कुरता	HIN 307	विद्यार्थी एक/ दो पेज की (18–20 वाक्यों) / तीन/ चार पेज की कहानी/ पाठ/ कविता को उपयुक्त

		HIN 313 HIN 314	उतार–चढ़ाव शुद्धता एवं प्रवाह के साथ पढ़कर समझ सकते है। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–जुलते शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, देशज शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द के प्रयोग को समझ सकते हैं तथा इनका प्रयोग कर सकते हैं। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक एवं योजक– इन विराम चिह्नों को पहचान सकते हैं और इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं। मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं।
नवम्बर, 2024	कर्म की जीत	HIN 301 HIN 302 HIN 314	विद्यार्थी एक से अधिक घटनाक्रम एवं पात्रों वाली कहानी सुनकर प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं और उसे अपने शब्दों में बता सकते हैं। विद्यार्थी कहानी/ कविता/ सुनी गई बात के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं, प्रतिक्रिया दे सकते हैं और अपनी कल्पना तथा नई शब्दावली का प्रयोग करते हुए उसे आगे बढ़ा सकते है। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक एवं योजक– इन विराम चिह्नों को पहचान सकते हैं और इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं। मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं।
	पहेलियाँ	HIN 302 HIN 308	विद्यार्थी कहानी/ कविता/ पहेलियाँ सुनी गई बात के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं, प्रतिक्रिया दे सकते हैं और अपनी कल्पना तथा नई शब्दावली का प्रयोग करते हुए उसे आगे बढ़ा सकते है। विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की सरल पाठ्य सामग्री (अखबार, होर्डिंग्स, सूचना, सूचना पट्ट, निर्देश) को पते हैं और

		HIN 313	उस पर आधारित प्रश्नों के जवाब मौखिक दे सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–जुलते शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, देशज शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द के प्रयोग को समझ सकते हैं तथा इनका प्रयोग कर सकते हैं।
दिसम्बर ,2024	हरियाली तीज	HIN 304 HIN 309 HIN 313	विद्यार्थी अपने आस–पास होने वाली घटना/ अपने स्वयं के अनुभवों को हिन्दी में 8–10 वाक्यों में बता सकते हैं। विद्यार्थी स्वेच्छा से अथवा शिक्षक के द्वारा दिए गए विषय/किसी चित्र पर 5–7 वाक्य लिख सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–जुलते शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, देशज शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द के प्रयोग को समझ सकते हैं तथा इनका प्रयोग कर सकते हैं।
2nd Student Assessment Test in the last week of December			
Winter Vacation from 1st january to 15th January 2025			
जनवरी, 2025	चुहिया का विवाह	HIN 302 HIN 305 HIN 312 HIN 313	विद्यार्थी कहानी/ कविता/ सुनी गई बात के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं, प्रतिक्रिया दे सकते हैं और अपनी कल्पना तथा नई शब्दावली का प्रयोग करते हुए उसे आगे बढ़ा सकते है। विद्यार्थी अधिक परिष्कृत व जटिल शब्दावली और वाक्य संरचना का इस्तेमाल करते हुए चित्रों पर आधारित किसी कहानी को सुना सकते है। विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन का संदर्भ में प्रयोग को समझ सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–जुलते शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, देशज शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के

			लिए एक शब्द के प्रयोग को समझ सकते हैं तथा इनका प्रयोग कर सकते हैं।
फरवरी, 2025	यह मेरा हरियाणा	HIN 302 HIN 307 HIN 312 HIN 313	विद्यार्थी कहानी/ कविता/ सुनी गई बात के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं, प्रतिक्रिया दे सकते है और अपनी कल्पना तथा नई शब्दावली का प्रयोग करते हुए उसे आगे बढ़ा सकते है। विद्यार्थी एक/ दो पेज की (18–20 वाक्यों) / तीन/ चार पेज की कहानी/ पाठ/ कविता को उपयुक्त उतार–चढ़ाव शुद्धता एवं प्रवाह के साथ पढ़कर समझ सकते है। विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन का संदर्भ में प्रयोग को समझ सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–जुलते शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, देशज शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द के प्रयोग को समझ सकते हैं तथा इनका प्रयोग कर सकते हैं।
मार्च,2025	पुनरावृत्ति		
Annual Assessment in the 3rd & 4th Week of March			

पाठ्यक्रम संरचना (2024–25)

कक्षा – 4

विषय– हिन्दी

पाठ्यपुस्तक – झिलमिल–4

<table>
<tr><td>क्रम संख्या</td><td>पाठ का नाम</td><td>विधा</td></tr>
<tr><td>1.</td><td>जादूगर यह कौन?</td><td>कविता</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>टपका</td><td>लोककथा</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>छोटी बातें, बड़ें काम की</td><td>लेख</td></tr>
<tr><td>4.</td><td>बारह मास</td><td>कविता</td></tr>
<tr><td colspan="3">आपने कितना सीखाः–
• शब्दार्थ
• वाक्यांशों के लिए एक शब्द
• 'इक', 'गर' प्रत्यय
• उलटा शब्द भरकर वाक्य पूरा करों।
• सही वाक्य पर (√) का निशान व गलत वाक्य पर (×) का निशान लगाएँ।
• सही मिलान करें।
• प्रश्नोंत्तर</td></tr>
<tr><td>5.</td><td>गुब्बारे पर चीता</td><td>कहानी</td></tr>
<tr><td>6.</td><td>पानी तेरी अजब कहानी
• पहेलियाँ (कुछ और पढ़ें)</td><td>कविता
पहेलियाँ</td></tr>
<tr><td>7.</td><td>पोंगल</td><td>लेख</td></tr>
<tr><td colspan="3">आपने कितना सीखाः–
• शब्दों के सही अर्थ लिखें।
• शब्दार्थ
• वाक्य निर्माण
• उपसर्ग
• सर्वनाम
• शब्दों के अलग–अलग अर्थ लिखें। (श्रुतिभिन्नार्थक शब्द)</td></tr>
<tr><td>8.</td><td>गौरवगाथा
• झंडा गायन (कुछ और पढ़ें)</td><td>कविता
कविता</td></tr>
<tr><td>9.</td><td>सुनों सबकी , करों मन की</td><td>कहानी</td></tr>
<tr><td>10.</td><td>मोबाइल का बोलबाला
• गुरु नानक (कुछ और पढ़ें)</td><td>एकांकी
लेख</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td>11.</td><td>रहीम के दोहे (दोहा सप्तक)</td><td>कविता</td></tr>
<tr><td colspan="3">आपने कितना सीखा :–
● सही शब्द छाँटकर लिखें।
● पंक्तियाँ पूरा करों।
● महापुरुषों के नाम को पूरा करें।
● युग्म शब्द
● प्रत्यय
● वाक्य निर्माण।
● सरलार्थ।
● प्रश्नोंत्तर</td></tr>
<tr><td>12.</td><td>तोको का देश</td><td>निबंध</td></tr>
<tr><td>13.</td><td>बाँसुरी वाला</td><td>कविता</td></tr>
<tr><td>14.</td><td>जादू का दीपक</td><td>कहानी</td></tr>
<tr><td>15.</td><td>माँ को पत्र</td><td>कविता</td></tr>
<tr><td colspan="3">आपने कितना सीखा :–
● शब्दों के सही अर्थ लिखें।
● रिक्त स्थान भरें।
● समानार्थी शब्द
● विशेषण
● सही वाक्य पर (√) का निशान व गलत वाक्य पर (×) का निशान लगाएँ।
● वाक्य निर्माण
● वाक्यांशों के लिए एक शब्द।
● प्रश्नोंत्तर</td></tr>
</table>

कक्षा – 4

विषय – हिन्दी पुस्तक का नाम–झिलमिल–4

मास	विषयवस्तु	अधिगम उपलब्धि **कोड**	अधिगम उपलब्धियाँ
अप्रैल, 2024	जादूगर यह कौन	HIN 401 HIN 406 HIN 413	विद्यार्थी पढ़ी/ सुनी रचनाओं (कहानी/कविता) की विषय वस्तुपात्रों, शीर्षक, घटनाओं आदि के बारे में बता सकते हैं, प्रश्न पूछ सकते हैं एवं पात्रों का अभिनय कर सकते हैं। विद्यार्थी कक्षा 4 के स्तर की विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) को उपयुक्त उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं उचित प्रवाह के साथ पढ़ सकते है।(पाठ्यपुस्तक एवं पुस्तकालय की पुस्तकों से) विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–जुलते समानार्थी शब्द, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं।
मई, 2024	टपका	HIN 401 HIN 405 HIN 412 HIN 413	विद्यार्थी पढ़ी/ सुनी रचनाओं (कहानी/कविता) की विषय वस्तुपात्रों, शीर्षक, घटनाओं आदि के बारे में बता सकते हैं, प्रश्न पूछ सकते हैं एवं पात्रों का अभिनय कर सकते हैं। विद्यार्थी किसी कहानी/घटना के आधार पर किसी पात्र का अभिनय कर सकते हैं और संवाद को प्रभावी तरीके से बोल सकते हैं। विद्यार्थी संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार, अनुनासिक व मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–जुलते समानार्थी शब्द, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं।

	छोटी बातें बड़े काम की	HIN 402 HIN 407 HIN 409 HIN 413	विद्यार्थी दिए गए परिचित एवं अपरिचित विषय पर स्पष्ट एवं व्यवस्थित रूप से 10–12 वाक्य बोल सकते हैं। विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की अन्य सरल पाठ्य सामग्री (अखबार, होर्डिंग्स, सूचना, सूचना पट्ट, निर्देश) को प सकते हैं। विद्यार्थी स्वेच्छा से अथवा शिक्षक के द्वारा दिए गए विषय/किसी चित्र पर 8–10 वाक्य शुद्धता से लिख सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं।
जून, 2024	**Summer Vacation from 1st June 2024 to 30th June, 2024**		
जुलाई, 2024	बारहमास	HIN 406 HIN 408 HIN 410 HIN 412	विद्यार्थी कक्षा 4 के स्तर की विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) को उपयुक्त उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं उचित प्रवाह के साथ पढ़ सकते है।(पाठ्यपुस्तक एवं पुस्तकालय की पुस्तकों से) विद्यार्थी कक्षा 4 के स्तर के पाठ को पढ़कर उसमें से मुख्य जानकारी निकाल सकते है और उसे अपने शब्दों में बता सकते है। विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) पर आधारित प्रश्नों के जवाब 4–5 वाक्यों में लिखित में दे सकते हैं। विद्यार्थी संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार, अनुनासिक व मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं।
1st Student Assessment Test in the last week of July			
अगस्त, 2024	गुब्बारे पर चीता	HIN 403	विद्यार्थी किसी घटना/अनुभव के पीछे निहित कारण को समझकर अपने शब्दों में बता सकते हैं।

		HIN 407 HIN 409 HIN 412	विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की अन्य सरल पाठ्य सामग्री (अखबार, होर्डिंग्स, सूचना, सूचना पट्ट, निर्देश) को प सकते हैं। विद्यार्थी स्वेच्छा से अथवा शिक्षक के द्वारा दिए गए विषय/किसी चित्र पर 8–10 वाक्य शुद्धता से लिख सकते हैं। विद्यार्थी संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार, अनुनासिक व मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं।
	पानी तेरी अजब कहानी	HIN 406 HIN 410 HIN 412 HIN 413	विद्यार्थी कक्षा 4 के स्तर की विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) को उपयुक्त उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं उचित प्रवाह के साथ पढ़ सकते है।(पाठ्यपुस्तक एवं पुस्तकालय की पुस्तकों से) विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) पर आधारित प्रश्नों के जवाब 4–5 वाक्यों में लिखित में दे सकते हैं। विद्यार्थी संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार, अनुनासिक व मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं।
सितम्बर, 2024	पोंगल	HIN 406 HIN 407 HIN 408	विद्यार्थी कक्षा 4 के स्तर की विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) को उपयुक्त उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं उचित प्रवाह के साथ पढ़ सकते है।(पाठ्यपुस्तक एवं पुस्तकालय की पुस्तकों से) विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की अन्य सरल पाठ्य सामग्री (अखबार, होर्डिंग्स, सूचना, सूचना पट्ट, निर्देश) को प सकते हैं।

		HIN 412 HIN 413	विद्यार्थी कक्षा 4 के स्तर के पाठ को पढ़कर उसमें से मुख्य जानकारी निकाल सकते है और उसे अपने शब्दों में बता सकते है। विद्यार्थी संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार, अनुनासिक व मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं।
Half Yearly in the last week of September			
अक्तूबर ,2024	गौरव गाथा	HIN 406 HIN 410 HIN 412	विद्यार्थी कक्षा 4 के स्तर की विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) को उपयुक्त उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं उचित प्रवाह के साथ पढ़ सकते है।(पाठ्यपुस्तक एवं पुस्तकालय की पुस्तकों से) विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) पर आधारित प्रश्नों के जवाब 4–5 वाक्यों में लिखित में दे सकते हैं। विद्यार्थी संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार, अनुनासिक व मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं।
	सुनो सबकी, करो मन की	HIN 402 HIN 403 HIN 413	विद्यार्थी दिए गए परिचित एवं अपरिचित विषय पर स्पष्ट एवं व्यवस्थित रूप से 10–12 वाक्य बोल सकते हैं। विद्यार्थी किसी घटना/अनुभव के पीछे निहित कारण को समझकर अपने शब्दों में बता सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द

			आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं।
नवम्बर, 2024	मोबाइल का बोलबाला	HIN 405 HIN 407 HIN 409 HIN 413	विद्यार्थी किसी कहानी/घटना के आधार पर किसी पात्र का अभिनय कर सकते हैं और संवाद को प्रभावी तरीक` से बोल सकते हैं। विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की अन्य सरल पाठ्य सामग्री (अखबार, होर्डिंग्स, सूचना, सूचना पट्ट, निर्देश) को प सकते हैं। विद्यार्थी स्वेच्छा से अथवा शिक्षक के द्वारा दिए गए विषय/किसी चित्र पर 8–10 वाक्य शुद्धता से लिख सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं।
	रहीम के दोहे (दोहा सप्तक)	HIN 406 HIN 410 HIN 412 HIN 413	विद्यार्थी कक्षा 4 के स्तर की विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) को उपयुक्त उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं उचित प्रवाह के साथ पढ़ सकते है।(पाठ्यपुस्तक एवं पुस्तकालय की पुस्तकों से) विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) पर आधारित प्रश्नों के जवाब 4–5 वाक्यों में लिखित में दे सकते हैं। विद्यार्थी संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार, अनुनासिक व मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं।
दिसम्बर ,2024	तोको का देश	HIN 401	विद्यार्थी पढ़ी/ सुनी रचनाओं (कहानी/कविता) की विषय वस्तुपात्रों, शीर्षक, घटनाओं आदि के

<table>
<tr><td></td><td></td><td>HIN 403

HIN 404

HIN 412

HIN 413</td><td>बारे में बता सकते हैं, प्रश्न पूछ सकते हैं एवं पात्रों का अभिनय कर सकते हैं।

विद्यार्थी किसी घटना/अनुभव के पीछे निहित कारण को समझकर अपने शब्दों में बता सकते हैं।

विद्यार्थी किसी पाठ/ भाषण/ बात को सुनकर उसे संक्षिप्त में बता सकते हैं और निष्कर्ष आधारित प्रश्नों के जवाब दे सकते है ं।

विद्यार्थी संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार, अनुनासिक व मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं।

विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं।</td></tr>
<tr><td></td><td>बाँसुरी वाला</td><td>HIN 410

HIN 411

HIN 413</td><td>विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) पर आधारित प्रश्नों के जवाब 4–5 वाक्यों में लिखित में दे सकते हैं।

विद्यार्थी कहानी/कविता को अपनी कल्पना से आगे बढ़ा कर लिख सकते है।

विद्यार्थी शब्दार्थ,मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं।</td></tr>
<tr><td colspan="4">2nd Student Assessment Test in the last week of December</td></tr>
<tr><td colspan="4">Winter Vacation from 1st January to 15th January 2025</td></tr>
<tr><td>जनवरी, 2025</td><td>जादू का दीपक</td><td>HIN 401

HIN 403</td><td>विद्यार्थी पढ़ी/ सुनी रचनाओं (कहानी/कविता) की विषय वस्तुपात्रों, शीर्षक, घटनाओं आदि के बारे में बता सकते हैं, प्रश्न पूछ सकते हैं एवं पात्रों का अभिनय कर सकते हैं।</td></tr>
</table>

		HIN 411 HIN 412	विद्यार्थी किसी घटना/अनुभव के पीछे निहित कारण को समझकर अपने शब्दों में बता सकते हैं। विद्यार्थी कहानी/कविता को अपनी कल्पना से आगे बढ़ा कर लिख सकते है। विद्यार्थी संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार, अनुनासिक व मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं।
फरवरी, 2025	माँ को पत्र	HIN 406 HIN 410 HIN 412 HIN 414	विद्यार्थी कक्षा 4 के स्तर की विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) को उपयुक्त उतार–चढ़ाव, शुद्धता एवं उचित प्रवाह के साथ पढ़ सकते है।(पाठ्यपुस्तक एवं पुस्तकालय की पुस्तकों से) विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) पर आधारित प्रश्नों के जवाब 4–5 वाक्यों में लिखित में दे सकते हैं। विद्यार्थी संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार, अनुनासिक व मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक, योजक चिह्न– इन विराम चिह्नों को पहचान सकते हैं और इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं।
मार्च,2025	पुनरावृत्ति		
Annual Assessment in the 3rd & 4th Week of March			

पाठ्यक्रम संरचना (2024–25)

कक्षा – 5

विषय– हिन्दी

पाठ्यपुस्तक – झिलमिल–5

<table>
<tr><td>क्रम संख्या</td><td>पाठ का नाम</td><td>विधा</td></tr>
<tr><td>1.</td><td>जय जवान, जय किसान</td><td>कविता</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>बड़ा</td><td>लेख</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>शेर और चित्रकार
● कोई लाके मुझे दे (कुछ और पढ़ें)</td><td>कविता
कविता</td></tr>
<tr><td colspan="3">आपने कितना सीखाः–
● सही शब्दों का चुनाव करके लिखें।
● 'तृ' और 'त्र' से शब्द बनाएँ।
● विशेषण।
● मुहावरें।
● सरलार्थ
● प्रश्नोंत्तर</td></tr>
<tr><td>4.</td><td>हॉकी का जादूगर</td><td>निबंध</td></tr>
<tr><td>5.</td><td>नदी यहाँ पर</td><td>कविता</td></tr>
<tr><td>6.</td><td>जासूस जमील
● बहन – भाई का प्यार (कुछ पढ़नें के लिए)</td><td>कहानी
कहानी</td></tr>
<tr><td>7.</td><td>गाँधी जी महान कैसे बनें?</td><td>लेख</td></tr>
<tr><td colspan="3">आपने कितना सीखाः–
● शब्दों के सही अर्थ लिखें।
● शब्दार्थ
● क्रिया पदों का प्रयोग करते हुए वाक्य निर्माण
● संबंधित नारे किन–किन महापुरुषों द्वारा कहें गए।
● सरलार्थ।
● तद्‌भव शब्द।
● प्रश्नोंत्तर</td></tr>
<tr><td>8.</td><td>सूरदास के पद</td><td>कविता</td></tr>
<tr><td>9.</td><td>आसमान से परे</td><td>जीवनी</td></tr>
<tr><td>10.</td><td>रानी लक्ष्मीबाई</td><td>नाटक</td></tr>
<tr><td>11.</td><td>ईदगाह</td><td>कहानी</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td colspan="3">आपने कितना सीखा :–
• सही शब्द छाँटकर लिखें।
• सर्वनाम
• वाक्य निर्माण।
• किसने, किसको कहाँ।
• 'रु' एवं 'रू' से शब्द बनाएँ।
• समानार्थी शब्द
• प्रश्नोंत्तर</td></tr>
<tr><td>12.</td><td>हार नहीं होती
• कुछ काम करो (कुछ और पढ़ें)</td><td>कविता
कविता</td></tr>
<tr><td>13.</td><td>धरोहर</td><td>लेख</td></tr>
<tr><td>14.</td><td>पुष्प की अभिलाषा</td><td>कविता</td></tr>
<tr><td>15.</td><td>बूढ़ी गेंद
• दोहा दशक (गीता) (कुछ और पढ़ें)</td><td>कहानी
कविता</td></tr>
<tr><td colspan="3">आपने कितना सीखा :–
• प्रश्नोंत्तर
• निपात शब्द
• पद एवं पदबंध
• काल
• शब्दों से संबंधित स्त्रोत्रों के नाम लिखें।
• सरलार्थ
• शुद्ध अशुद्ध</td></tr>
<tr><td>16.</td><td>महाराजा अग्रसेन (राज्य विशेष से संबंधित)</td><td>जीवनी</td></tr>
<tr><td></td><td>आपने कितना सीखा :–
• प्रश्नोंत्तर
• कब व क्यों?
• निपात शब्द
• पद एवं पदबंध
• शब्दों से संबंधित स्त्रोत्रों के नाम लिखें।
• सरलार्थ
• शुद्ध–अशुद्ध</td><td></td></tr>
</table>

कक्षा – 5

विषय – हिन्दी   पुस्तक का नाम–झिलमिल–5

मास	विषयवस्तु	अधिगम उपलब्धि **कोड**	अधिगम उपलब्धियाँ
अप्रैल, 2024	जय जवान, जय किसान	HIN 506 HIN 510 HIN 513	विद्यार्थी कक्षा 5 के स्तर की विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध/ पत्र) को उपयुक्त उतार–चढ़ाव, शुद्धता, हाव–भाव एवं उचित प्रवाह के साथ पढ सकते हैं। (पाठ्यपुस्तक एवं पुस्तकालय की पुस्तकों से) विद्यार्थी संरचनाबद्ध लेखन के तौर पर विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) पर आधारित प्रश्नों के जबाव दे सकते हैं। (5–7 वाक्यों में तथ्यात्मक एवं तर्क आधारित) विद्यार्थी शब्दार्थ, मिलते–जुलते समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, 'र' के प्रयोग, तत्सम, तद्भव शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं।
मई, 2024	बड़ा	HIN 502 HIN 509 HIN 512 HIN 513	विद्यार्थी भाषा की बारीकियों (क्रमबद्धता, वर्तनी की शुद्धता, नई शब्दावली का प्रयोग) को समझते हुए दिए गए विषय पर 8–10 वाक्य बोल सकते है। विद्यार्थी स्वेच्छा से अथवा शिक्षक के द्वारा दिए गए विषय/किसी चित्र पर 10–12 वाक्य शुद्धता से लिख सकते हैं। (उचित विराम चिह्नों का उपयोग करते हुए) विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण, काल, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार– अनुनासिक– संदर्भ में मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ, मिलते–जुलते समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, 'र' के प्रयोग, तत्सम, तद्भव शब्द आदि

			के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते है ं।
	शेर और चित्रकार	HIN 505 HIN 506 HIN 512 HIN 513 HIN 514	विद्यार्थी किसी कहानी/घटना के आधार पर किसी पात्र का अभिनय कर सकते हैं और संवाद को प्रभावी तरीक` से बोल सकते हैं। विद्यार्थी कक्षा 5 के स्तर की विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध/पत्र) को उपयुक्त उतार–चढ़ाव, शुद्धता, हाव–भाव एवं उचित प्रवाह के साथ पढ सकते हैं। (पाठ्यपुस्तक एवं पुस्तकालय की पुस्तकों से) विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण, काल, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार– अनुनासिक– संदर्भ में मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करक` बता सकते हैं।  विद्यार्थी शब्दार्थ, मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश क` लिए एक शब्द, 'र' के प्रयोग, तत्सम, तद्भव शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते है ं। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक, योजक चिह्न– इन विराम चिह्नों को पहचानकर इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं।
जून, 2024	**Summer Vacation from 1st June 2024 to 30th June, 2024**		
जुलाई, 2024	हॉकी का जादूगर	HIN 503 HIN 508 HIN 512	विद्यार्थी किसी घटना/अनुभव के पीछे निहित कारण को समझकर अपने शब्दों में बता सकते है ं और उस पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकते है। विद्यार्थी कक्षा 5 के स्तर के पाठ को पढ़कर उसमें से मुख्य जानकारी निकाल सकते है और उसे अपने शब्दों में बता सकते है। विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण, काल, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार– अनुनासिक– संदर्भ में

		HIN 513 HIN 514	मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करक` बता सकते हैं।  विद्यार्थी शब्दार्थ, मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश क` लिए एक शब्द, 'र' के प्रयोग, तत्सम, तद्भव शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते है ं। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक, योजक चिह्न– इन विराम चिह्नों को पहचानकर इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं।
	नदी यहाँ पर	HIN 506 HIN 507 HIN 510 HIN 513	विद्यार्थी कक्षा 5 के स्तर की विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध/पत्र) को उपयुक्त उतार–चढ़ाव, शुद्धता, हाव–भाव एवं उचित प्रवाह के साथ पढ सकते हैं। (पाठ्यपुस्तक एवं पुस्तकालय की पुस्तकों से) विद्यार्थी कठिन शब्दावली एवं अधिक वाक्यों वाली विभिन्न प्रकार की अन्य पाठ्य सामग्री (अखबार, होर्डिंग्स, सूचना, सूचना पट्ट, निर्देश) को प सकते हैं और उसक` बारे में अपने विचार/राय एवं प्रश्नों क` जवाब लिखित में दे सकते हैं। विद्यार्थी संरचनाबद्ध लेखन क` तौर पर विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) पर आधारित प्रश्नों क` जबाव दे सकते हैं। (5–7 वाक्यों में तथ्यात्मक एवं तर्क आधारित) विद्यार्थी शब्दार्थ, मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश क` लिए एक शब्द, 'र' के प्रयोग, तत्सम, तद्भव शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते है ं।
1st Student Assessment Test in the last week of July			
अगस्त, 2024	जासूस जमील	HIN 501	विद्यार्थी पढ़ी/ सुनी रचनाओं (कहानी/कविता) की विषय वस्तुपात्रों, शीर्षक, घटनाओं आदि के बारे में बता सकते हैं, प्रश्न पूछ सकते हैं उस पर अपनी राय एवं स्वतन्त्र टिप्पणी दे सकते है ं और पात्रों का अभिनय कर सकते हैं।

		HIN 505 HIN 509 HIN 513	विद्यार्थी किसी कहानी/घटना के आधार पर किसी पात्र का अभिनय कर सकते हैं और संवाद को प्रभावी तरीके से बोल सकते हैं। विद्यार्थी स्वेच्छा से अथवा शिक्षक के द्वारा दिए गए विषय/किसी चित्र पर 10–12 वाक्य शुद्धता से लिख सकते हैं। (उचित विराम चिह्नों का उपयोग करते हुए) विद्यार्थी शब्दार्थ, मिलते–जुलते समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, 'र' के प्रयोग, तत्सम, तद्भव शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं।
	गाँधीजी महान कैसे बने	HIN 503 HIN 504 HIN 507 HIN 513	विद्यार्थी किसी घटना/अनुभव के पीछे निहित कारण को समझकर अपने शब्दों में बता सकते हैं और उस पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकते है। विद्यार्थी किसी पाठ/ भाषण/ बात को सुनकर उसके बारे में तर्कसंगत राय बना सकते हैं, उसे संक्षिप्त में बता सकते हैं और निष्कर्ष आधारित प्रश्नों के जवाब दे सकते हैं। विद्यार्थी कठिन शब्दावली एवं अधिक वाक्यों वाली विभिन्न प्रकार की अन्य पाठ्य सामग्री (अखबार, होर्डिंग्स, सूचना, सूचना पट्ट, निर्देश) को प सकते हैं और उसके बारे में अपने विचार/राय एवं प्रश्नों के जवाब लिखित में दे सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ, मिलते–जुलते समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, 'र' के प्रयोग, तत्सम, तद्भव शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं।
सितम्बर, 2024	सूरदास के पद	HIN 506 HIN 510	विद्यार्थी कक्षा 5 के स्तर की विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध/पत्र) को उपयुक्त उतार–चढ़ाव, शुद्धता, हाव–भाव एवं उचित प्रवाह के साथ पढ सकते हैं। (पाठ्यपुस्तक एवं पुस्तकालय की पुस्तकों से) विद्यार्थी संरचनाबद्ध लेखन के तौर पर विभिन्न प्रकार की रचनाओं

		HIN 511 HIN 513 HIN 514	(कहानी / कविता / नाटक / निबन्ध) पर आधारित प्रश्नों क` जबाव दे सकते हैं। (5–7 वाक्यों में तथ्यात्मक एवं तक´ आधारित) विद्यार्थी कहानी / कविता को अपनी कल्पना से आगे बढ़ाते हुए लिख सकते है और खुद से सरल कहानी / कविता लिख सकते है। विद्यार्थी शब्दार्थ, मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज / स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश क` लिए एक शब्द, 'र' के प्रयोग, तत्सम, तद्‌भव शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते है ं। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक, योजक चिह्न– इन विराम चिह्नों को पहचानकर इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं।
Half yearly in the last week of September			
अक्तूबर ,2024	आसमान से परे	HIN 502 HIN 503 HIN 508 HIN 512	विद्यार्थी भाषा की बारीकियों (क्रमबद्धता, वर्तनी की शुद्धता, नई शब्दावली का प्रयोग) को समझते हुए दिए गए विषय पर 8–10 वाक्य बोल सकते हैं। विद्यार्थी किसी घटना / अनुभव के पीछे निहित कारण को समझकर अपने शब्दों में बता सकते हैं और उस पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं। विद्यार्थी कक्षा 5 के स्तर के पाठ को पढ़कर उसमें से मुख्य जानकारी निकाल सकते है और उसे अपने शब्दों में बता सकते है। विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण, काल, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार– अनुनासिक– संदर्भ में मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य / पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं।
	रानी लक्ष्मीबाई	HIN 505 HIN 509	विद्यार्थी किसी कहानी / घटना के आधार पर किसी पात्र का अभिनय कर सकते हैं और संवाद को प्रभावी तरीके से बोल सकते हैं। विद्यार्थी स्वेच्छा से अथवा शिक्षक के द्वारा दिए गए विषय / किसी चित्र पर 10–12 वाक्य

		HIN 510 HIN 512 HIN 513	शुद्धता से लिख सकते हैं। (उचित विराम चिह्नों का उपयोग करते हुए) विद्यार्थी संरचनाबद्ध लेखन के तौर पर विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध) पर आधारित प्रश्नों क` जबाव दे सकते हैं। (5–7 वाक्यों में तथ्यात्मक एवं तर्क आधारित) विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण, काल, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार– अनुनासिक– संदर्भ में मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ, मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश क` लिए एक शब्द, 'र' के प्रयोग, तत्सम, तद्‌भव शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं।
नवम्बर, 2024	ईदगाह	HIN 501 HIN 508 HIN 512 HIN 513 HIN 514	विद्यार्थी पढ़ी/ सुनी रचनाओं (कहानी/कविता) की विषय वस्तुपात्रों, शीर्षक, घटनाओं आदि के बारे में बता सकते हैं, प्रश्न पूछ सकते हैं उस पर अपनी राय एवं स्वतन्त्र टिप्पणी दे सकते हैं और पात्रों का अभिनय कर सकते हैं। विद्यार्थी कक्षा 5 के स्तर के पाठ को पढ़कर उसमें से मुख्य जानकारी निकाल सकते है और उसे अपने शब्दों में बता सकते है। विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण, काल, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार– अनुनासिक– संदर्भ में मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करक` बता सकते हैं।  विद्यार्थी शब्दार्थ, मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश क` लिए एक शब्द, 'र' के प्रयोग, तत्सम, तद्‌भव शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते है ं।

			विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक, योजक चिह्न– इन विराम चिह्नों को पहचानकर इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं।
	हार नहीं होती	HIN 506 HIN 511 HIN 512 HIN 513 HIN 514	विद्यार्थी कक्षा 5 के स्तर की विभिन्न प्रकार की रचनाओं (कहानी/कविता/नाटक/निबन्ध/पत्र) को उपयुक्त उतार–चढ़ाव, शुद्धता, हाव–भाव एवं उचित प्रवाह के साथ पढ सकते हैं। (पाठ्यपुस्तक एवं पुस्तकालय की पुस्तकों से) विद्यार्थी कहानी/कविता को अपनी कल्पना से आगे बढ़ाते हुए लिख सकते है और खुद से सरल कहानी/कविता लिख सकते है। विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण, काल, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार– अनुनासिक– संदर्भ में मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ, मिलते–ज ुलते समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, 'र' के प्रयोग, तत्सम, तद्भव शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक, योजक चिह्न– इन विराम चिह्नों को पहचानकर इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं।
दिसम्बर ,2024	धरोहर	HIN 507 HIN 509 HIN 512	विद्यार्थी कठिन शब्दावली एवं अधिक वाक्यों वाली विभिन्न प्रकार की अन्य पाठ्य सामग्री (अखबार, होर्डिंग्स, सूचना, सूचना पट्ट, निर्देश) को प सकते हैं और उसक` बारे में अपने विचार/राय एवं प्रश्नों के जवाब लिखित में दे सकते हैं। विद्यार्थी स्वेच्छा से अथवा शिक्षक के द्वारा दिए गए विषय/किसी चित्र पर 10–12 वाक्य

		HIN 513 HIN 514	शुद्धता से लिख सकते हैं। (उचित विराम चिह्नों का उपयोग करते हुए) विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण, काल, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार– अनुनासिक– संदर्भ में मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ, मिलते–जुलते समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, 'र' के प्रयोग, तत्सम, तद्भव शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक, योजक चिह्न– इन विराम चिह्नों को पहचानकर इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं।
2nd Student Assessment Test in the last week of December			
Winter Vacation from 1st January to 15th January 2025			
जनवरी, 2025	पुष्प की अभिलाषा	HIN 506 HIN 511 HIN 512 HIN 513 HIN 514	विद्यार्थी किसी कहानी/घटना के आधार पर किसी पात्र का अभिनय कर सकते हैं और संवाद को प्रभावी तरीके से बोल सकते हैं। विद्यार्थी कहानी/कविता को अपनी कल्पना से आगे बढ़ाते हुए लिख सकते है और खुद से सरल कहानी/कविता लिख सकते है। विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण, काल, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार– अनुनासिक– संदर्भ में मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ, मिलते–जुलते समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, 'र' के प्रयोग, तत्सम, तद्भव शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक, योजक चिह्न– इन विराम चिह्नों को

			पहचानकर इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं।
	बूढ़ी गेंद	HIN 501 HIN 511 HIN 512 HIN 513 HIN 514	विद्यार्थी पढ़ी/ सुनी रचनाओं (कहानी/कविता) की विषय वस्तुपात्रों, शीर्षक, घटनाओं आदि के बारे में बता सकते हैं, प्रश्न पूछ सकते हैं उस पर अपनी राय एवं स्वतन्त्र टिप्पणी दे सकते है और पात्रों का अभिनय कर सकते हैं। विद्यार्थी कहानी/कविता को अपनी कल्पना से आगे बढ़ाते हुए लिख सकते है और खुद से सरल कहानी/कविता लिख सकते है। विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण, काल, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय, अनुस्वार– अनुनासिक– संदर्भ में मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं। विद्यार्थी शब्दार्थ, मिलते–जुलते समानार्थी शब्द पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, , देशज/स्थानीय शब्द, भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, 'र' के प्रयोग, तत्सम, तद्भव शब्द आदि के प्रयोग को समझकर इनके बारे में बता सकते हैं। विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक, योजक चिह्न– इन विराम चिह्नों को पहचानकर इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं।
फरवरी, 2025	महाराजा अग्रसेन (राज्य विशेष)	HIN 502 HIN 503 HIN 508 HIN 512	विद्यार्थी भाषा की बारीकियों (क्रमबद्धता, वर्तनी की शुद्धता, नई शब्दावली का प्रयोग) को समझते हुए दिए गए विषय पर 8–10 वाक्य बोल सकते हैं। विद्यार्थी किसी घटना/अनुभव के पीछे निहित कारण को समझकर अपने शब्दों में बता सकते हैं और उस पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं। विद्यार्थी कक्षा 5 के स्तर के पाठ को पढ़कर उसमें से मुख्य जानकारी निकाल सकते है और उसे अपने शब्दों में बता सकते है। विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण, काल, कारक, उपसर्ग,

			प्रत्यय, अनुस्वार– अनुनासिक– संदर्भ में मुहावरों का अर्थ समझ सकते हैं और वाक्य/पाठ में इनकी पहचान करके बता सकते हैं।
मार्च,2025	पुनरावृत्ति		
Annual Assessment in the 3rd & 4th Week of March			